श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 209, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 26 अगस्त 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

झारखंड सीएम की विधानसभा सदस्यता रद्द होगी!

रांचीः लाभ के पद के मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर चुनाव आयोग ने अपनी राय गुरुवार को राजभवन भेज दी। अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक हेमंत की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की अनुशंसा चुनाव आयोग ने की है, लेकिन इसकी अधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं की गई है। राज्यपाल रमेश बैस हेमंत की विधानसभा सदस्यता पर फैसला सुनाएंगे। सूत्रों के मुताबिक वह राजभवन में कानून विशेषज्ञों को बुलाया है। आयोग के पत्र पर सलाह लेंगे। सीएम हेमंत सोरेन ने ट्वीट करके कहा- संवैधानिक संस्थानों को तो खरीद लोगे, जनसमर्थन कैसे खरीद पाओगे। हैं तैयार हम! जय झारखंड। इसके पहले ईसी के पत्र पर सोरेन ने कहा कि ऐसा लगता है कि भाजपा नेता, सांसद और उनके कठपुतली जर्नलिस्टों ने रिपोर्ट तैयार की है। नहीं तो ये सील्ड होती। संवैधानिक संस्थाओं और एजेंसियों को भाजपा दफ्तर ने टेकओवर कर लिया है। भारतीय लोकतंत्र में ऐसा कभी नहीं देखा गया। राज्यपाल दिल्ली से दोपहर करीब दो बजे रांची पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि राजभवन पहुंचकर मामले को देखेंगे। फिलहाल इसे लेकर राजभवन में अफसरों की मीटिंग हुई है। इधर, महागठबंधन में शामिल पार्टियों ने आगे की तैयारी कर ली है। जेएमएम ने अपनी बात रखी है। झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस ने अपने सभी विधायकों को रांची बुलाया है। अगर सीएम की सदस्यता रद्द होती है तो अगले मुख्यमंत्री को लेकर फैसला किया जा सकता है।

कांग्रेस विधायक दल के नेता और मंत्री आलमगीर आलम सीएम हाउस पहुंचे। उन्होंने कहा कि हम लोग एक साथ हैं। जो कुछ भी जानकारी आ रही है, मीडिया के माध्यम से आ रही है। राजभवन को भेजी रिपोर्ट में क्या लिखा, इसकी पुष्टि अभी नहीं।

क्या हो सकता है अगले 48 घंटे में?: राज्य में अगले 48 घंटे में राजनीतिक उथल-पुथल होने का अंदाजा लगाया जा रहा है। चुनाव आयोग के इस फैसले का असर राज्य सरकार पर पड़ना तय माना जा रहा है। सत्ताधारी यूपीए सभी विकल्पों पर विचार कर उस आधार पर स्ट्रैटजी बना रही है। यूपीए खेमे में हेमंत के साथ और हेमंत के सीएम नहीं रहने की स्थितियों को लेकर तैयारी की जा रही है।

सदस्यता गई तो आगे क्या?: अगर हेमंत सोरेन की सदस्यता रद्द होती है तो उन्हें इस्तीफा देकर फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेनी होगी। इसके बाद 6 महीने के अंदर उन्हें दोबारा विधानसभा चुनाव जीतना होगा। अगर चुनाव लड़ने के लिए उन्हें अयोग्य घोषित किया जाता है तो उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना होगा। ऐसे में वे परिवार या पार्टी से किसी को कमान सौंप सकते हैं।

हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं: झारखंड हाईकोर्ट के वरिष्ठ वकील ए. अल्लाम ने बताया कि चुनाव आयोग अगर किसी विधायक या मंत्री को लाभ का पद रखने के मामले में दोषी पाता है तो उनकी सदस्यता समाप्त कर सकता है।

उन्होंने बताया कि सदस्यता रद्द होने पर वे इस मामले में हाईकोर्ट में अपील कर सकते हैं। आर्टिकल-32 के मामले में सीधे सुप्रीम कोर्ट में भी अपील कर सकते हैं, लेकिन ये सभी विकल्प चुनाव आयोग का फैसला आने के बाद ही निर्भर करता है।

जासूसी के शक में 29 फोन दिए गए थे, जिनमें से 5 फोन में मालवेयर मिला, लेकिन वो पेगासस थाः सुप्रीम कमेटी

पेगासस जासूसी का नहीं मिला सबूत

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस एनवी रमना की बेंच में गुरुवार को पेगासस जासूसी केस में सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट की बनाई हुई कमेटी ने बताया कि उन्हें जासूसी के शक में 29 फोन दिए गए थे, जिनमें से 5 फोन में मालवेयर मिला, लेकिन वो पेगासस था, ये कन्फर्म नहीं कहा जा सकता। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि केस में केंद्र सरकार की ओर से सहयोग नहीं किया जा रहा है। चीफ जस्टिस ने कहा कि रिपोर्ट बड़ी है और इसे पढ़ने में वक्त लगेगा, इसलिए अगली सुनवाई सितंबर के आखिरी हफ्ते में होगी।

भारत ने 2017 में इजराइल से खरीदा था स्पाईवेयरः भारत सरकार ने 2017 में इजराइली कंपनी एनएसओ ग्रुप से जासूसी सॉफ्टवेयर पेगासस खरीदा था। इस सॉफ्टवेयर को पांच साल पहले की गई 2 अरब डॉलर (करीब 15 हजार करोड़ रुपए) की डिफेंस डील में खरीदा गया था। इसी डिफेंस डील में भारत ने एक मिसाइल सिस्टम और कुछ हथियार भी खरीदे थे। इस बात का खुलासा अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने 27 अक्टूबर को बनाई गई थी कमेटीः जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 27 अक्टूबर 2021 को एक एक्सपर्ट कमेटी का गठन किया था। सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस आर वी रवींद्रन इसके अध्यक्ष बनाए गए थे। कमेटी गठित करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हर किसी की प्राइवेसी की रक्षा होनी चाहिए। कमेटी में अध्यक्ष जस्टिस रवींद्रन के साथ पूर्व आईपीएस अफसर आलोक जोशी और डॉक्टर संदीप ओबेरॉय शामिल हैं।

डॉक्टर ओबेरॉय इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ स्टैंडर्डाइजेशन से जुड़े हैं। इस मामले में कई पत्रकारों और एक्टिविस्ट्स ने अर्जियां दायर की थीं। इनकी मांग थी कि सुप्रीम कोर्ट के जजों की निगरानी में जांच करवाई जाए। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने कहा है था कि हर किसी की प्राइवेसी की रक्षा होनी चाहिए।

बिलकिस बानो केसः 11 गुनहगारों की रिहाई पर गुजरात सरकार को नोटिस

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गोधरा दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उसके परिवार के सदस्यों की हत्या के 11 दोषियों को रिहा करने के राज्य के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर गुरुवार को गुजरात सरकार से जवाब मांगा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) एनवी रमना, जस्टिस अजय रस्तोगी और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने राज्य को नोटिस जारी किया और यह भी निर्देश दिया कि 11 दोषियों को पक्षकार बनाया जाए। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि उसे इस बात पर विचार करना है कि क्या गुजरात के नियमों के तहत दोषी छूट के हकदार हैं और क्या इस मामले में छूट देते समय दिमागी कसरत की गई थी? बता दें कि गोधरा कांड के बाद गुजरात में दंगे भड़क गए थे और इसी दंगे के दौरान बिलकिस बानों के परिवार के सात सदस्यों की हत्या कर दी गई थी। इतना ही नहीं दंगाइयों ने बिलकिस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म भी किया था।

सुप्रीम कोर्ट पीएमएलए के दो नियमों का रिव्यू करेगा, केंद्र को नोटिस

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) पर दिए गए अपने फैसले का रिव्यू करेगी। रिव्यू पिटीशन की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम काला धन और मनी लॉन्ड्रिंग रोकने के समर्थन में हैं, लेकिन हमें लगता है कि कुछ मुद्दों पर फिर से विचार करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने इस एक्ट के दो नियमों को लेकर केंद्र को नोटिस भेजा है। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस सीटी रविकुमार की बेंच ने मामले की सुनवाई की। यह सुनवाई ओपन कोर्ट में हुई, यानी इसमें मीडिया और आम लोगों को कोर्ट की कार्यवाही में देखने के लिए शामिल होने दिया गया।

पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने ईडी के गिरफ्तारी के अधिकार को बरकरार रखा थाः कोर्ट ने 27 जुलाई को पीएमएलए के विभिन्न प्रावधानों की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली 241 याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए इस एक्ट के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मिले गिरफ्तारी के अधिकार को बरकरार रखा था। तब कोर्ट ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग के तहत गिरफ्तारी मनमानी नहीं है। इसे लेकर सांसद कार्ति पी चिदंबरम ने कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दाखिल की थी, जिस पर आज सुनवाई हुई। तीन जजों की बेंच ने सुनाया था फैसलाः 27 जुलाई को जस्टिस एएम खानविलकर, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस सीटी रविकुमार की बेंच ने विजय मदनलाल चौधरी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया केस और 240 याचिकाओं पर फैसला सुनाया था।

केजरीवाल की मीटिंग में नहीं पहुंचे 9 विधायक

नई दिल्लीः दिल्ली में 'ऑपरेशन लोटस' के मुद्दे पर गुरुवार को भी सियासी बवाल जारी है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर विधायक दल की मीटिंग बुलाई गई थी, जिसमें डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया समेत 9 विधायक नहीं पहुंचे। हालांकि सिसोदिया को लेकर पार्टी ने कहा कि वे हिमाचल दौरे पर गए हैं। वहीं सूत्रों के मुताबिक कुछ विधायकों से पार्टी हाईकमान का संपर्क भी नहीं हो पा रहा है। मीटिंग के बाद केजरीवाल राजघाट पहुंचे और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा- भाजपा हमारे 40 विधायकों को खरीदना चाह रही है। सभी विधायकों को 20-20 करोड़ का ऑफर दिया जा रहा है। भाजपा 800 करोड़ रुपए खर्च कर दिल्ली सरकार गिराना चाहती है। 70 सीटों वाली दिल्ली विधानसभा में आप के पास 62 और भाजपा के पास 8 सीटें हैं।

'सपनों को पूरा करने में भारत की श्रम शक्ति अहम'

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के श्रम मंत्रियों के एक राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अमृत काल के हमारे सपनों को पूरा करने में भारत की श्रम शक्ति अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के सपने को साकार करने में भारत की श्रम शक्ति की बहुत बड़ी भूमिका है। देश संगठित और असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले करोड़ों श्रमिक साथियों के लिए निरंतर काम कर रहा है।

बयानों को मरोड़कर प्रचारित करने पर भड़के गडकरी

नई दिल्लीः केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उनके बयानों को तोड़ मरोड़कर प्रचारित करने के लिए विरोधियों पर निशाना साधा है। पिछले कुछ दिनों में चले इस अभियान को उन्होंने मनगढ़ंत बताया है। केंद्रीय मंत्री ने गुरुवार को कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए नापाक और मनगढ़ंत अभियान चलाया जा रहा है। गडकरी को पिछले सप्ताह भाजपा संसदीय बोर्ड से हटा दिया गया था। इसके बाद उनके कुछ बयानों को लेकर तरह-तरह की बातें कही जा रही थीं। यह जताया जा रहा था कि उनकी सरकार व पार्टी से अनबन चल रही है। इन सब अटकलों को उन्होंने खारिज कर दिया। गडकरी ने ट्वीट कर अटकलभरी खबरों को लेकर संकेत दिया कि वे नापाक व मनगढंत खबरें फैलाने वालों के खिलाफ सरकार और पार्टी के व्यापक हित में कानूनी कार्रवाई का सहारा ले सकते हैं।

मेरे भाषणों को गढ़ा गयाः उन्होंने ट्वीट किया, 'आज एक बार फिर, मुख्यधारा के मीडिया, सोशल मीडिया के कुछ वर्गों और विशेष रूप से कुछ लोगों ने मेरे खिलाफ नापाक और मनगढ़ंत अभियान जारी रखने का प्रयास किया। बिना संदर्भ के मेरे सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिए गए भाषणों को गढ़ा गया।'

भाषण की यूट्यूब लिंक साझा कीः इसके साथ ही उन्होंने मंगलवार को एक पुस्तक के विमोचन समारोह में दिए गए अपने भाषण की एक यूट्यूब लिंक भी ट्वीट के साथ साझा की। इस भाषण का सोशल मीडिया में चुनिंदा ढंग से इस्तेमाल किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में कही गई बातों को कांटछांट कर इस तरह कहा गया था जैसे कि गडकरी कह रहे हों कि उन्हें संसदीय बोर्ड से हटाए।

जाने या अपना पद खोने की कोई

श्रीलंका में स्थिति पर हमारी नजरः विदेश मंत्रालय

नई दिल्लीः श्रीलंका में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के सवाल पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि हम वहां के घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं, श्रीलंका में भारतीय सबसे ज्यादा पर्यटक हैं।

भारत के बाहर और श्रीलंका में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सबसे जरूरी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हम भारतीय नागरिकों को श्रीलंका में रहने के दौरान सावधानी बरतने की सलाह देंगे। उन्हें किसी भी आवश्यक यात्रा के लिए करेंसी एक्सचेंज और फ्यूल (ईंधन) की स्थिति सहित सभी प्रासंगिक कारकों की जांच करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, हमारा उच्चायोग श्रीलंका में स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। मुझे नहीं लगता कि श्रीलंका में किसी पर हमला हुआ है। हमने भारतीय नागरिकों को इस संबंध में गाइडलाइंस जारी की हैं।

जापान ने की 2+2 बैठक की पेशकशः बागची ने कहा, जापान ने अगली भारत-जापान 2+2 बैठक आयोजित करने की पेशकश की है। यह अभी तक कोविड 19 और अन्य वजहों से नहीं पा रही थी।

यूपीः भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष बने भूपेंद्र चौधरी

लखनऊः भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 का एलान करते हुए यूपी भाजपा के अध्यक्ष की घोषणा कर दी है। वर्तमान सरकार में पंचायती राज मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी को यह पद दिया गया है। इसके साथ पहली बार ऐसा हुआ है जब एक जाट नेता को कमान दी गई है। भाजपा के 'एक व्यक्ति एक पद' के अनुशासन के अनुसार, अध्यक्ष पद के लिए नाम घोषित होने के बाद चौधरी को मंत्री पद से इस्तीफा देना होगा। 54 वर्षीय भूपेंद्र चौधरी 2016 में पहली बार विधान परिषद सदस्य चुने गए थे। 2017 में प्रदेश में सरकार बनने पर उन्हें पंचायती राज विभाग का राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार बनाया गया था। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि पार्टी और कार्यकताओं की अपेक्षाओं के अनुसार काम करूंगा। भाजपा को आगे ले जाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के असंख्य कार्यकर्ता हमेशा चुनाव के मोड़ में रहते है। उन्होंने कहा कि बहुत से ऐसे कार्यकर्ता थे जो मुझसे अच्छा काम कर सकते थे लेकिन पार्टी ने उन्हें मौका दिया है नेतृत्व की अपेक्षाओं के अनुसार काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले चार चुनाव से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपार सफलता मिली है। कार्यकर्ताओं ने मेहनत से अच्छे परिणाम दिए है। मोदी के नेतृत्व में सफलता के इस क्रम को लगातार जारी रखेंगें। उन्होंने कहा कि यूपी में बूथ स्तर तक भाजपा का संगठन खड़ा है। 2024 में सभी 80 सीटों पर पार्टी की जीत होगी। 2019 में मंत्रिमंडल फेरबदल में चौधरी को कैबिनेट मंत्री बनाया गया। योगी आदित्यनाथ सरकार 2.0 में चौधरी को पुनः कैबिनेट मंत्री बनाते हुए पंचायती राज विभाग की जिम्मेदारी दी गई। चौधरी हाल ही में पुनः विधान परिषद सदस्य निर्वाचित हुए हैं।

पंजाब में 500 करोड़ का शराब घोटाला

चंडीगढ़ः पंजाब में नई एक्साइज पॉलिसी की आड़ में 500 करोड़ का शराब घोटाला हुआ है। यह दावा शिरोमणि अकाली दल (बादल) के प्रधान सुखबीर बादल ने किया। चंडीगढ़ में सुखबीर ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने सिर्फ 2 होलसेलर बनाए। उनका कमीशन 5% से बढ़ाकर 10% कर दिया। जिसके जरिए 500 करोड़ सीधे आम आदमी पार्टी कमाई कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की एक्साइज पॉलिसी ही पंजाब में लागू की गई, इसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए। वह गवर्नर से मिलेंगे। अकाली दल सीबीआई और ईडी को भी इसकी शिकायत करेगा। इस बारे में आप की प्रतिक्रिया नहीं आई है।

एक ही टीम ने बनाई पॉलिसीः सुखबीर बादल ने कहा कि दिल्ली और पंजाब की एक्साइज पॉलिसी एक ही टीम ने बनाई। जब दिल्ली में इसकी शिकायत हुई तो सरकार ने उसे कैंसल कर दिया। पंजाब में भी इसकी जांच होनी चाहिए।

पहले 50 से 100 होलसेलर होते थेः सुखबीर ने कहा कि शराब में मैन्यूफक्चरर, एल1 यानी होलसेलर और रिटेलर यानी 3 तरह के काम है। आप सरकार ने एल1 यानी होलसेलर को काबू कर लिया। पहले 50 से 100 के करीब छ1 होते थे। वह सारी कंपनी का शराब अपने पास रख रिटेलर को बेचते थे। रिटेलर के पास च्वाइस थी। जो सस्ता देता, उससे खरीद लेते थे।

आप सरकार ने शर्तें बदलीः सुखबीर बादल ने कहा कि आप सरकार ने इसमें शर्तें बदल दी। अपने लोगों को एल1 देने के लिए पुराने बाहर निकाल दिए। इन्होंने शर्तें लगाई कि मैन्यूफक्चरर और रिटेलर एल1 यानी होलसेलर का लाइसेंस नहीं ले सकता।

सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया

श्रीनगरः बारामुला जिले के उड़ी इलाके में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया है। सूत्रों के मुताबिक आतंकियों के एक ग्रुप ने कमालकोट से भारतीय इलाके में घुसने की कोशिश की। सीमापार से हो रही घुसपैठ को देखते हुए इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। इससे पहले राजोरी में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर नौशेरा सेक्टर में सोमवार देर रात सेना ने घुसपैठ कर रहे दो आतंकियों को मार गिराया। दोनों के शवों को बरामद कर लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि नौशेरा में लाम क्षेत्र के पुखरनी गांव में सोमवार देर रात आतंकियों के एक समूह ने घुसपैठ की कोशिश की थी। इस बीच एक आतंकी का पांव बारूदी सुरंग पर पड़ने से धमाका हुआ। जवान आतंकियों की इस मूवमेंट पर लगातार नजर बनाए हुए थे। आतंकियों को दूर से चेतावनी दी गई लेकिन वे भागने लगे। इसी दौरान दो आतंकियों को मार गिराया गया।

सेर मकड़ी से पकड़ा गया थाः तबारकः नौशेरा सेक्टर के ही सेर मकड़ी इलाके से लश्कर-ए-ताइबा का प्रशिक्षित गाइड और फिदायीन आतंकी तबारक को सेना ने रविवार पकड़ा था। तबारक का फिलहाल राजोरी स्थित सैन्य अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पाकिस्तानी सेना की इंटेलिजेंस यूनिट के लिए काम कर चुका 32 वर्षीय तबारक हुसैन पिछले छह वर्षों में दूसरी बार घुसपैठ करते पकड़ा गया है। इस बार उसका हुलिया फिदायीन आतंकी की तरह मिला है।

खबर संक्षेप

भूपेश चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकताओं में हर्ष

सहसों। भारतीय जनता पार्टी मंडल सहसों में मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार सरोज की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें भूपेश चौधरी को भाजपा उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष बनाए जाने पर हर्ष व्यक्त किया गया। बैठक में उपस्थित भूमि विकास बैंक फूलपुर अध्यक्ष एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष गंगापार वीरेन्द् बहादुर सिंह ने बताया कि भूपेश चौधरी को संगठन का शिल्पी कहा गया है, सरकार में मंत्री के पद पर भी रह चुके हैं । निश्चित रूप से इनको प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने से प्रदेश के कार्यकताओं में हर्ष व बहुत उत्साह है इनके नेतृत्व में संगठन को नई जान नई ताकत मिलेगी। और लोक सभा 2024 चुनाव में पुनः सबसे अधिक सीटें जीतकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प दोहराया जाएगा। बैठक में प्रमुख रूप से महामंत्री पवन कुमार शुक्ल, संजय सिंह, नरेंद्र कुशवाहा, राजकुमार जयसवाल, संतोष सिंह, राजेंद्र वर्मा, महेश सिंह, दया सिंह, राजेश कुमार, लव कुश बिन्द, अमन सिंह राजपूत, अजय विश्वकर्मा, नागेंद्र शर्मा, आलोक सरोज , रमेश पटेल, श्रीकांत तिवारी, शिव शंकर दुबे, राम सुथार बिन्द, शिव बाबू केसरवानी, मूलचंद पाल, प्रसिद्ध नारायण पांडे, विमल मिश्रा, मुकेश दुबे, अतुल मिश्रा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कंजासा गांव के बस्तियों के बीच घुसा बाढ़ का पानी

बस्ती के बीच चलने लगे नावें, गृहस्थी का सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटे ग्रामीण

अखंड भारत संदेश

कंजासा गांव के बस्ती के बीच पहुंचा बाद का पानी तथा घरों के पास बाढ़ के पानी से ढहता मिट्टी

घूरपुर। गुरुवार के दिन उफनाई यमुना का पानी कंजासा गांव के बस्तियों के बीच पहुंच गया है। जिससे ग्रामीणों में खलबली मच गई है लोग घरों का सामान लेकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने लगे है।बस्ती के रास्तों में इस कदर बाढ़ का पानी भर गया कि नाव चलने लगी। कंजासा गांव यमुना बाढ़ की चपेट में आने वाला है गया है। गुरुवार की सुबह बाढ़ का पानी बस्ती के रास्तों को अपने आगोश में ले लिया। कई गौशाला, खलिहान सहित भूसैल, उप्पल के ढ़ेर जलमग्न हो गए हैं किसी तरह लोग मवेशियों को बचा सुरक्षित स्थानों पर ले जाने में सफल रहे। दर्जनों घर बाढ़ की चपेट मे आने वाले है। बाढ़ की तीव्रता देख अधिकतर लोग घर गृहस्थी के सामानों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचना शुरू कर दिए हैं। वहीं प्रधान दिनेश निषाद भी गृहस्वामियों के दरवाजे पर जा जाकर व्यवस्था कराने में लगे रहे। हालांकि प्रशासन द्वारा बाढ़ राहत आश्रालमय बनाया गया है। लेकिन अभी तक लोग वहां पर शरण नही लिए है। आसपास परिचितों के यहां ही अपने अपने गृहस्थी के सामानों को सुरक्षित रख रहें हैं। यमुना बाढ़ की रफ्तार ने कंजासा के लोगों की नीद हराम कर दी है।

बाढ़ के पानी से मिट्टी ढहने से कई घर खतरे के चपेट में : मिट्टी के टीलों पर बने दर्जनों घरों पर बाढ़ के पानी से संकट के बादल छा गए हैं। बाढ़ के पानी की उफनाती लहरों से घरों के पास की मिट्टी ढहती जा रही है। जिससे कई घरों पर खतरा मंडरा रहा है। इसके पूर्व के बाढ़ में इस तरह कई घर मंदिर ढह चुके हैं।

नाविकों ने बचाव की खुद बना ली है टीम रात को खास नजर : बस्तियों के बीच बाढ़ का पानी पहुंचने के बाद बाढ़ से राहत पहुचाने के लिए नाविकों ने चार अलग अलग टीम बना ली है। और घरों में बाढ़ का पानी प्रवेश करने के पूर्व ही घरों के गृहस्थी का सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा देगे। और रात को बाढ़ पर खास नजर रखेंगे। टीम के सदस्य रात को जागेंगे।

विषैले जंतु घुस रहे घरों में परेशानी : यमुना बाढ़ से जहा कंजासा के लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई है वहीं दूसरी तरफ बाढ़ के चलते बिलो से निकल कर और बाढ़ के धारा में बहकर आए हुए विभिन्न प्रकार के विषैले जंतु घरों में प्रवेश कर रहे हैं। जिससे लोगों के लिए बराबर खतरा बना हुआ है।

बारा क्षेत्र में बनाई गई है 12बाढ़ चौकिया : तहसीलदार बारा गणेश सिंह ने बताया कि यमुना बाढ़ के बचाव के लिए लालापुर और घूरपुर क्षेत्र में 12 बाढ़ चौकियां बनाई गई है। बाढ़ सम्भावित गांवों में बचाव हेतु राजस्व कर्मी तैनात किए गए हैं।

बाढ़ के पानी से कई ग्रामीणों का घर डूबा आधा दर्जन से अधिक मार्ग प्रभावित पलायन को लोग मजबूर

करछना। क्षेत्र में पिछले कई दिनों से लगातार गंगा व टोंस नदी के जलस्तर में हो रही वृद्धि के कारण नीचले व कछारी इलाके में रह रहे लोगों में खलबली मची है। बुधवार की रात टोंस नदी के जलस्तर में बेतहाशा बढ़ोतरी देखी गई। जिससे क्षेत्र के कटका डेरा गांव निवासी गंगाराम निषाद, विष्णु कांत, जयप्रकाश व हरिश्चंद्र के घर में पानी भर गया है। जिसे लोग पलायन करने को मजबूर हैं। वहीं क्षेत्र के देहली - कटका, हथसरा - मदरा, कचरी-देहली, महेवा-कटका, झीरी -भगनपुर समेत आधा दर्जन से अधिक संपर्क मार्ग बाढ़ से प्रभावित हो गया है। इससे यहां से आने जाने वाले लोग गंतव्य स्थान तक पहुंचने के लिए नाव का सहारा ले रहे हैं। लगातार नदीयों के जल स्तर में वृद्धि होने के कारण कछारी इलाके में बाढ़ के साए में जी रहे सेमरहा, डीहा, कबरा, गडैला, रवनिका, बबुरा,लटकहा, मनैया,ताला गांव के लोगों में भय व दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि जिस गति से पिछले दो दिनों में नदी के जल स्तर में वृद्धि हुई है, अगर इसी गति से निरंतर जारी रहा तो एक-दो दिन में कई और ग्रामीणों को घरों को छोड़कर पलायन करना पड़ सकता है।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में फसे लोग

बाढ़ प्रभावित इलाकों में जंगली जानवरों का आतंक हमले से महिला समेत तीन लोग घायल

अखंड भारत संदेश

करछना। क्षेत्र में इन दिनों नदियों के जल स्तर में वृद्धि होने से जंगल झाड़ियों में रहने वाले जानवर गांव की ओर रुख कर दिए हैं। जो आए दिन कछारी इलाके में रह रहे ग्रामीण व घर के बाहर बधें जानवरों पर हमलावर होकर मारकर घायल कर दे रहे हैं। जंगली जानवरों के हमले से लोगों में भय व दहशत का माहौल है। गुरुवार देर शाम को क्षेत्र के खजुरौल गांव में जंगली जानवर वनसुअरा के अचानक हमले से महिला समेत 3 लोग घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक उक्त गांव निवासी भोला नाथ यादव, हरि ओम ने देर शाम को घर से दूर जंगल की ओर मवेशी चराने के लिए गए थे। वहीं पर एक अन्य महिला भी घास छील रही थी । उसी बीच वनसुअर ने एक के बाद एक तीनों पर हमला कर दिया। वनसुअरा के हमले से तीनो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर-शराबा सुनकर जब तक ग्रामीण लाठी डंडे लेकर मौके पर पहुंचे तब तक वह पुनः जंगल की ओर भाग गया। घटना की जानकारी ग्रामीणों ने फोन के माध्यम से डायल 112 पर दे दी है।

भूमाफिया ने बेदो गांव की महिला की बेंच दी जमीन

अखंड भारत संदेश

एफआईआर दर्ज कराने के लिए पीड़िता ने लगाई एडीजी से फरियाद

करछना। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार भू माफियाओं के खिलाफ लगातार एक्शन में है उनकी अवैध और कब्जा की गई संपत्तियों को गिरा कर जमींदोज कर रही है ताकि भू माफिया सुधर जाए और कानून का डर उनके अंदर बैठ जाए लेकिन भू माफिया अपने गुंडागर्दी एवं हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं` ताजा मामला थाना औद्योगिक क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा बैंदौ का है जहां आसिया बेगम पत्नी मुस्ताक अली की आराजी संख्या 896 और आराजी संख्या 1145 पर भू माफिया शाह आलम ननका ने अवैध रूप से कब्जा जमाने की नियत से खेत में ट्रैक्टर चलवा कर जुतवा दिया और अपना बोर्ड गाड़ दिया ` जब आसिया बेगम अपनी आराजी पर पहुंची तो खेत जूता हुआ और उसमें बोर्ड लगा हुआ मिला` जिसे देख उनके हाथ पांव फूल गए`भू माफिया शाह आलम का जमीन कब्जा करने का कोई पहला मामला नहीं है` उसके कारनामे अनेक है` उसने कई और लोगों के घर जमीन जबरन कब्जा कर रखा है और पुलिस प्रशासन उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है` इसलिए वह मन बढ़ हो गया है` उनका कहना है कि उनकी जमीन पर काफी दिनों से कब्जे की नियत है` भूमाफिया शाह आलम द्वारा उक्त आराजी की फर्जी रजिस्ट्री बैनामा भी करा चुका है` आशिया बेगम का कहना है कि उनकी गैर मौजूदगी में भूमाफिया द्वारा बिना आधार कार्ड लगाएं फर्जी महिला को खड़ी करके उसे आशिया बेगम बनाकर के परवीन बानो पत्नी लियाकत अली डिघिया मेजा को फर्जी बैनामा करा दिया है और नामांतरण भी करा लिया था` फर्जी बैनामा की घटना की जानकारी जब आशिया बेगम को हुई तो उनके हाथ पांव फूल गए हैं और वह तहसील करछना पहुंची `जहां अपने साथ हुए फजीर्वाड़े का खुलासा कियो नायब तहसीलदार पनासा द्वारा जांच किया गया मामला फर्जी बैनामा कराने का खुलासा हुआ `तत्काल नायब तहसीलदार पनासा द्वारा फर्जी बैनामा पर रोक लगाकर नामांतरण आदेश को स्थगित कर दिया गया` जिसका अंकन खसरा खतौनी में भी दर्ज हो गया है` फर्जी बैनामा को कैंसिलेशन के लिए आसिया बेगम ने सिविल न्यायालय प्रयागराज में वाद दायर कर रखा है`

वही आशिया बेगम के पति मुस्ताक अली का कहना है कि उक्त जमीन पर अवैध कब्जा करने के बाद भू माफिया उनके बाप दादा की पुश्तैनी जमीन पर भी अपना बोर्ड लगा कर कब्जा जमा लिया है और खेत में ट्रैक्टर चलवा कर बजरी की बुवाई भी करा लिया है। भू माफिया शाह आलम दबंग एवं गुंडा प्रवृत्ति का व्यक्ति है लोगों की जमीन पर अवैध कब्जा करना उसका पेशा सा बन गया है` गांव के ही विजय शुक्ला की नंबरी बाग में भू माफिया ने अवैध घर बनाकर उसमें छज्जा निकाल लिया है और उनके बाग में गेट लगा लिया है` इस प्रकरण का मुकदमा सिविल न्यायालय प्रयागराज में प्रचलित है आशिया बेगम का कहना है कि पुलिस प्रशासन अगर इस पर समय रहते अंकुश नहीं लगाता है तो उसका अवैध कब्जा करने का सिलसिला ऐसे ही चलता रहेगा` और वह उनके जान माल को भी नुकसान पहुंचा सकता है।

न्यूज झरोखा

यशोमती मैया से बोले नंदलाला राधा क्यों गोरी मैं क्यों काला

जंघई। श्री कृष्ण छठी महोत्सव बुधवार को श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ पुलिस चौकी जंघई में मनाया गया। चौकी जंघई की आकर्षक साज-सज्जा की गई श्री कृष्ण जन्माष्टमी के छठे दिन छठी महोत्सव पर भगवान का भव्य दरबार सजाकर कार्यक्रम आयोजक चौकी इंचार्ज जंघई सुधीर कुमार पांडेय एवं चौकी के समस्त स्टाफ द्वारा पूजन अर्चन आरती किया गया। इस अवसर पर भजन संध्या का भी आयोजन किया गया जिसमें सुप्रसिद्ध गायक कलाकार विकास पांडेय इलाहाबादी एवं अर्चना वेदी द्वारा एक से बढ़कर एक सुप्रसिद्ध कृष्ण भजन, देवी गीत प्रस्तुत किया गया भजनों से पूरा परिसर गुंजायमान होता रहा भजन संध्या कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार, हास्य व्यंग्यकार धनंजय सास्वत द्वारा किया गया।इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक सरायममरेज तरुणेंद्र त्रिपाठी द्वारा कलाकारों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया छठी के अवसर पर महाप्रसाद का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर देवेन्द्र दुबे, सतीश पांडेय, बच्चन मिश्रा, बबलू यादव, सौरभ सिंह, अखिलेश पांडेय, रमेश पांडेय, संतोष पांडेय, बाबूलनाथ शुक्ल, कृष्ण मोहन शुक्ल, राधे मोहन पांडेय, कृष्णराज शुक्ल, मातादीन उपाध्याय, राज शुक्ला, संजय उपाध्याय, अरविंद दुबे, जितेन्द्र मिश्रा, रवि उपाध्याय, प्रद्युम्न शुक्ला, प्रकाश दुबे, मनोज दुबे, अमियकृष्ण पांडेय, आशुतोष पांडेय, रिंकू मिश्रा, धीरज उपाध्याय, संदीप गुप्ता, अवधनारायण यादव, डॉ जय कुमार यादव, प्रदीप शर्मा, शैलेश पाठक, डॉ परमानंद एवं चौकी स्टाफ में उप निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल अंबिका यादव एवं वीरेंद्र यादव, कांस्टेबल छोटेलाल गुप्ता, ओमप्रकाश, आकाश वर्मा, पवनेश कुमार, सोनू यादव, प्रताप सिंह, सुनील कुमार, विमलेश यादव, कांस्टेबल राजू यादव सहित तमाम गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

सत्यम हेड ब्वॉय माही सिंह बनी हेड गर्ल

हनुमानगंज। धनैचा मलखानपुर स्थित आशुतोष मेमोरियल स्कूल के कैबिनेट में नवनियुक्त सदस्यों को गुरुवार को पद एवं गोपनियता की शपथ दिलाई गई और उनके लिए आवंटित झंडे के साथ आरोहण किया गया । वही विशाल यादव को खेलकूद का कैप्टन, श्रेयांशी यादव को उप कप्तान तथा उत्कर्ष पांडे एवं नीतिका त्रिपाठी को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रभारी मनोनीत किया गया । विद्यालय के विभिन्न वर्गों के छात्रों में से चार कैप्टन एवं चार उप कप्तान भी मनोनीत किए गए । प्रतिभा और कार्य दक्षता के आधार पर कक्षा 6 से लेकर कक्षा 9 से एक प्रीफेक्ट भी चुने गए । विद्यालय की संयोजिका अदिति सिंह एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाओं की उपस्थिति में विद्यालय के निदेशक डॉ.गिरीश कुमार पांडे ने सभी मनोनीत छात्र छात्राओं को उनका बैच एवं पदका पहनाकर उनका स्वागत किया। संस्था के चेयरमैन प्रो. जेपीएन मिश्रा नव निर्वाचित पदाधिकारियों को गोपनीयता की शपथ दिलाई वही सभी शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं नव नामित छात्र-छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

नाबालिग किशोरी को तीन सगे भाइयों ने किया अपहरण मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। मऊआइमा इलाके एक दलित महिला ने तीन सगे भाइयों पर उसकी नाबालिग पुत्री को अपहरण करले जाने का आरोप लगाते हुए तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम विशम्भरपुर निवासनीय एक दलित महिला का आरोप है कि उसकी 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी को गांव के तीन सगे भाइयों ने मिलकर अपहरण कर ले गए हैं। पूछने पर जान से मारने और जाति सूचक गालियां दी । महिला ने मऊआइमा थाने में मोहम्मद फिरोज ,मकसूद ,शाहिद अली पुत्रगण हामिद अली के खिलाफ अपहरण तथा एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज करा दिया है ।मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

शंकरगढ़ पुलिस की गिरफ्त में आया हत्यारोपी, वारंटी भी धराया

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। यमुनापार के शंकरगढ़ थाने की पुलिस द्वारा अपराधियों की गिरफ्तारी का अभियान लगातार जारी है। बुधवार को जहां शंकरगढ़ पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया था,वहीं गुरुवार को हत्या के वांछित और एक वारंटी को धर दबोचा। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि थाने की पुलिस टीम के द्वारा अपराध संख्या 324-21, धारा 302, 34, 120बी के नामजद अभियुक्त शशांक भूषण गौतम उर्फ मनु गौतम पुत्र देवेंद्र कुमार गौतम (निवासी आर्यनगर, मानिकपुर, चित्रकूट) को गिरफ्तार किया गया है।एसओ मनोज कुमार सिंह ने बताया कि हत्याभियुक्त को सेननगर तिराहे से मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया है। शशांक के खिलाफ उक्त आरोप के अलावा अन्य कोई मामला स्थानीय स्तर पर दर्ज नहीं है। दूसरी तरफ शंकरगढ़ पुलिस ने एक वारंटी को भी गिरफ्तार किया है। एसओ के मुताबिक अपराधियों की छानबीन के दौरान मुखबिर की सूचना के आधार पर वारंटी मोहम्मद इलियास पुत्र शफीक अहमद (निवासी नारीबारी, थाना शंकरगढ़) को एसआई संतोष कुमार सिंह (चौकी प्रभारी नारीबारी) ने गिरफ्तार किया है।

जिम्मेदार अधिकारी सीयूजी फोन के प्रयोग में बरत रहे मनमानी

अखंड भारत संदेश

करछना। थाना व तहसील में तैनात अधिकारियों के गैर जिम्मेदाराना रवैया के चलते आम जनमानस को आए दिन दिक्कत उठानी पड़ रही है। जिम्मेदार अधिकारियों को दी जाने वाली सीयूजी नंबर के उपयोग में मनमानी रमैया अपना रहे है। आम जनमानस की सुविधा के लिए अधिकारियों को दी गई सीयूजी नंबर पर बार-बार फोन लगाने के बावजूद भी कॉल को रिसीव नहीं किया जाता। और ना ही बाद में बैक कॉल करके कोई जवाब दीया जाता है। जबकि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सख्त निर्देश है की सीयूजी फोन का इस्तेमाल करने वाले सभी अधिकारी व कर्मचारी पूरी तरह से सक्रियता बरतें । जिससे लोगों को संपर्क करने में कोई परेशानी ना हो सके। लेकिन सरकार के लाख फरमान के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी अपनी कार्यशैलियों में अमल नहीं ला रहे हैं।

मीडिया वालों का भी फोन नहीं उठाते मातहत अधिकारी

गुरुवार को 2:17 पर उप जिलाधिकारी रेनू सिंह और तहसीलदार रमेश चंद्र पांडे के सीयूजी नंबर पर 2:32 पर संपर्क किया गया लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

दुकान के सामने खडी बाइक चोरी, मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। दुकान के सामने अपनी बाइक खडी करके दुकानदार अपना काम करने लगा। थोडी देर में देखा तो उसकी बाइक नदारत थी। भुक्तभोगी की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम मुस्तफाबाद निवासी मो साजिद अख्तर पुत्र मोहम्मद मुस्तफा का कहना है कि उसकी दुकान पूरा काजी में है। वह बाइक से दुकान आया और दुकान के सामने अपनी बाइक खडी करके दुकान में काम करने लगा। थोडी देर में देखा तो बाइक नदारद थी।

एंबुलेंस कर्मियों की सूझबूझ से गर्भवती महिला की बची जान, जन्मा बच्चा

अखंड भारत संदेश

एम्बुलेंस में नवजात

मेजा रोड। अस्पताल में 108 एंबुलेंस के इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन(ईएमटी) और ड्राइवर की मदद से महिला की जान बच गई। वे गर्भवती महिला को एंबुलेंस के जरिये अस्पताल लेकर आ रहे थे, उसी दौरान रास्ते में प्रसव पीड़ा बढ़ गई महिला दर्द से कराह रही थीं,तभी टेक्नीशियन और ड्राइवर ने महिला की डिलीवरी करवाई। सी एचसी मेजा के डाक्टर शास्वत सिंह ने बताया कि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। डिलीवरी के बाद अस्पताल में इनको भर्ती कराया गया है।उन्होंने बताया कि विभाग ईएमटी और ड्राइवर को सम्मानित करेगा।विकास खंड मेजा के भटौती गांव की रहने वाली 27 वर्षीय रेखा निषाद पत्नी गजराज निषाद को बीती रात ढाई बजे के करीब प्रसव पीड़ा होने पर परिवार वालों ने 108 एंबुलेंस बुलाई। आधे घंटे में एंबुलेंस रेखा को लेने घर पहुंच गई थी। अस्पताल आते वक्त लगभग साढ़े तीन बजे हनुमान गढ़ चौराहा के पास रेखा प्रसव पीड़ा से कराह रही थी। ऐसे में इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन और ड्राइवर को गाड़ी रोड के साइड में लगाकर आशा ललिता देवी और परिजनों के सहयोग से गर्भवती महिला की डिलीवरी करवानी पड़ी। ड्राइवर प्रवेश कुमारऔर ईएमटी विनोद कुमार की सूझबूझ से मां और बच्चे की जान बच सकी। इस संबंध में डाक्टर शाश्वत सिंह का कहना है कि कभी-कभी ऐसी परिस्थिति आ जाती है, जब डिलीवरी करवानी पड़ जाती है।

एनसीसी कैडेट के चयन हेतु परीक्षा आयोजित

जसरा। श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कालेज जसरा में एनसीसी बी एवं सी सर्टीफिकेट के नये प्रवेश के लिए बच्चों की परीक्षा कराई गई। 15 यूपी बटालियन से आये हुए अधिकारियों ने सकुशल परीक्षा संपन्न कराई। विद्यालय के प्रधानाचार्य/लेफ्टिनेंट डा०योगेन्द्र सिंह ने बताया कि स्कूल के 122 छात्रों द्वारा एनसीसी में भर्ती होने के लिए लिखित परीक्षा के साथ ही शारीरिक परीक्षा में दौड़ व नाप जोख कराया गया। बता दें कि विद्यालय में कुल 24 छात्रों का प्रवेश होना है। जिसमें कुल 122 बच्चों ने परीक्षा दिया। 15 यूपी बटालियन के अधिकारी गण सूबेदार विनोद कुमार, सीएचएम जितेंद्र चौधरी व हवलदार सुभाष चन्द्र के नेतृत्व में एनसीसी की लिखित व शारीरिक परीक्षा संपन्न हुई। पर्यवेक्षण लेफ्टिनेंट डा०योगेंद्र सिंह द्वारा किया गया।

शिक्षक संकुल की मासिक बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

जसरा। न्याय पंचायत असरवई में गुरुवार को अगस्त माह की शिक्षक संकुल स्तरीय मासिक बैठक व पीटियम पूर्व निर्धारित एजेंडे के आधार पर प्राथमिक विद्यालय बैजला में सम्पन्न हुई। बता दें कि बैठक में प्रथम सत्र मेजबान विद्यालय पीएस बैजला खास व संविलियन विद्यालय के बच्चों द्वारा बहुत ही आकर्षक प्रस्तुतीकरण किया गया।

बैठक के दूसरे सत्र में भाषा शिक्षण पर चर्चा करते हुए शिक्षिका रंजीता गुप्ता के द्वारा बुक से पठान पर शानदार प्रस्तुतीकरण दिया गया तथा गणित शिक्षण के अंतर्गत शिक्षक सुशील के द्वारा साप्ताहिक योजना को विस्तार पूर्वक समझाया गया। बैठक के अंतिम सत्र में विद्यालय सोनपुर बनाने में पीटीएम एसएमसी की भूमिका पर मेजबान विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनय पांडे द्वारा बहुत ही सारगर्भित व व्यवहारिक बातें बताई गई इसी क्रम में पीएस रामनगर के प्रधानाध्यापक सरोज यादव ने विद्यालय की विकास योजना पर अपने विचार रखते हुए एक आदर्श शिक्षक के गुणों पर चर्चा की बैठक में मुख्य रूप से शिवभान, शेषधर राम प्रकाश, शिवांगी, मंदाकिनी, अरविंद, अभिषेक,आशीष जायसवाल, शुभम सिंह, स्नेहा, मीरा, मंजू, सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बाढ़ के पानी में एक युवक डूबा

झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र के सोनौटी रहीमपुर मार्ग पर सोनौटी के एक युवक के डूबने की सूचना पर हड़कम्प मच गया सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस के साथ एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुची खोजबीन की पर देर शाम तक डूबने वाले युवक का कुछ अता पता नहीं चला। चर्चा है कि सोनौटी गांव का शिवाकांत भारतीया 35 गुरुवार को रहीमापुर में किसी से पैसे लेने आया था लौटते वक्त वह रहीमापुर सोनौटी मार्ग पर बाढ़ के पानी में डूब गया। उसकी साइकिल के साथ कुछ समान पास में ही सड़क किनारे मिला है पर उसे डूबते किसी ने नही देखा है। एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुच शिवाकांत को खोजने में लगी थी पर शाम तक उसका कुछ पता नही चला रहीमपुर चौकी इंचार्ज ने बताया कि शुक्रवार को एक बार फिर एसडीआरएफ सर्च ऑपरेशन चलाएगी।

कभी भी खतरे का निशान पार कर सकती हैं गंगा-यमुना

स्थिति को देखते हुए एनडीआरफ के साथ पीएसी फोर्स भी बुलाई गई

अखंड भारत संदेश

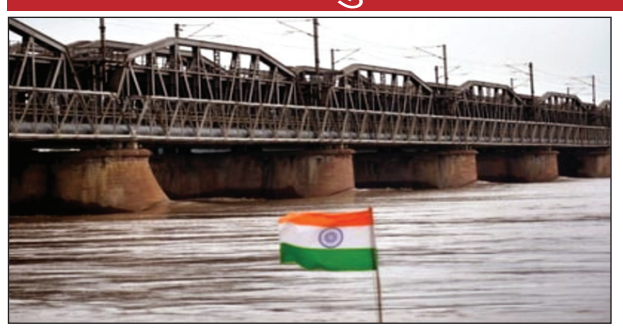

प्रयागराज। उफनाई गंगा-यमुना में बृहस्पतिवार को जल दबाव और बढ़ गया। यमुना में हथिनी कुंड बैराज से 25 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इससे यमुना की सहायक नदियों केन, बेतवा और चंबल खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इधर शहर में हालात को देखते हुए मोरी स्लूज गेट को बंद कर दिया गया है। लगातार बढ़ते जलस्तर की वजह से गंगा-यमुना देर रात खतरे के निशान के पास पहुंच गईं। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने यमुना में 25 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की पुष्टि की। इसी के साथ जिले में स्थापित 99 बाढ़ चौकियों और आपदा राहत टीमों को सक्रिय कर दिया गया है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष की ओर से देर शाम जारी बुलेटिन के मुताबिक गंगा आठ सेमी. प्रति घंटा और यमुना 12 सेमी. प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रही हैं। रात आठ बजे तक यमुना खतरे के निशान से महज 49 सेमी. नीचे बह रही थी। इस दौरान यमुना का जलस्तर 84.24 मीटर रिकार्ड किया गया। खतरे का निशान 84.73 मीटर है। इसी तरह गंगा के जलस्तर में भी लगातार तेजी से वृद्धि हो रही है। फाफामऊ में गंगा चार सेमी. और छतनाग में आठ सेमी. प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ रही है। इससे बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। सिंचाई बाढ़ खंड के अधिशासी अभियंता बृजेश सिंह ने बताया कि ऊपर से लगातार पानी आ रहा है। इससे यमुना की सहायक नदियां केन, बेतवा और चंबल उफान पर हैं। प्रयागराज में भी गंगा-यमुना किसी भी समय खतरे के निशान को पार कर सकती हैं। हालात को देखते हुए बाधों के स्लूज गेट बंद करने के साथ ही निगरानी बढ़ा दी गई है। बस्तियों में बाढ़ का पानी तो बुधवार को ही घुस गया था, अब इसका दायरा लगातार फैलता जा रहा है। बृहस्पतिवार रात तक एक दर्जन से अधिक मोहल्लों के हजारों घरों में बाढ़ का पानी घुस गया। मुश्किल यह कि दोनों नदियों के जलस्तर में अभी तीन दिनों तक बढ़ोतरी की बात कही जा रही है।

एनडीआरएफ, पीएसी ने संभाली कमान

बाढ़ का दायरा बढ़ने के साथ प्रशासन ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। एनडीआएफ एवं एसडीआरएफ की एक-एक टीम लगाई गई है। दो कंपनी पीएसी लगाई गई है। 20 आश्रय स्थल बनाए गए हैं। इनमें से पांच आश्रय स्थल एनी बेसेंट (300 से अधिक), मेहबूब अली इंटर कॉलेज (200 से अधिक), ऋषिकुल (181), स्वामी विवेकानंद, कैंटोनमेंट मैरिज हाल (300) फुल हो गए हैं इनके अलावा सेंट जोसेफ गर्ल्स विंग, वाईएमसीए समेत अन्य स्कूलों में भी बाढ़ पीड़ित पहुंचने लगे हैं। इन आश्रय स्थलों में देर रात तक 1500 लोग पहुंच गए थे। इनके लिए रहने-खाने की व्यवस्था के दावे किए जा रहे हैं। चिकित्सीय व्यवस्था समेत अन्य इंतजाम के दावे किए जा रहे हैं। लेखपाल एवं अन्य अफसरों की ड्यूटी लगाई गई है।

डराने लगा है 2013 का मंजर

बाढ़ में फंसे लोगों को 2013 में आई बाढ़ का मंजर एक बार फिर डराने लगा है। अब तक सबसे अधिक 1978 में बाढ़ का विस्तार हुआ था। उस समय जलस्तर फाफामऊ में 87.960 मीटर, छतनाग में 88.030 और नैनी में 87.990 मीटर पहुंच गया था। इसके बाद 2013 में जलस्तर फाफामऊ में 86.820, छतनाग में 86.040 तथा नैनी में 86.600 मीटर पहुंच गया था। 2013 में हजारों लोग करीब एक महीने तक बेघर हो गए थे। इस वर्ष जलस्तर 84 मीटर के पार पहुंच गया है और गंगा एवं यमुना के जलस्तर में तेज बढ़ोतरी जारी है। इससे बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लोगों को 2013 का मंजर अभी से डराने लगा है।

टापू में तब्दील हुआ मझियारी तरहार गांव,नाव से आवागमन शुरू

लालापुर। क्षेत्र में आयी बाढ़ ने यमुना किनारे बसे लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है।प्रतापपुर गांव से मऊ चित्रकूट जाने वाले रास्ते में बुंदेला नाला के पास पानी भर जाने से आवागमन नाव द्वारा शुरू हो गया है।उधर प्रतापपुर व सेमरी तरहार गांव में यमुना किनारे बसे ग्रामीणों के खेतों तक पानी पहुंच गया है।नौढ़िया तरहार,अमिलिया तरहार,महेरा,नागनपुर,गोझवार,पचवर,भभौर,पूरे किन्नर गांव के खेतों में पानी पहुंचने लगा है।बाढ़ को देखते हुए तहसील प्रशासन पूरी तरह से चौकन्ना है।बाढ़ राहत चौकी पंडुवा,महेरा (मझियारी) में तहसील प्रशासन के साथ पुलिसकर्मी तैनात हो गये हैं।प्रतापपुर गांव से कौशाम्बी जाने वाली यात्री नाव को एहतियातन बंद करा दिया गया है।सबसे ज्यादा खतरा मझियारी तरहार गांव पर मंडरा रहा है।अगर पानी इसी तरह बढ़ता रहा तो पानी गांव के पास तक पहुंच सकता है।तहसीलदार बारा गणेश सिंह ने बताया की तहसील प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है।गांव वालों को सतर्क रहने की हिदायत दी जा चुकी है।अगर किसी तरह की दिक्कत आती है तो ग्रामीण सीधे उपजिलाधिकारी बारा व मुझसे सीधे सम्पर्क कर सकते हैं समस्या का तत्काल निदान कराया जाएगा।

मझियारी घाट का निरीक्षण करते तहसीलदार बारा

बाढ़ राहत शिविर का डीएम ने किया निरीक्षण

बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण करते जिलाधिकारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने गुरूवार को एनी बेसेंट गर्ल्स इंटर कालेज, छोटा बघाड़ा बाढ़ राहत शिविर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां पर रह रहे लोगो से खाने, पीने के पानी, साफ-सफाई, बिजली, पंखे आदि की जानकारी ली तथा सम्बंधित राहत शिविर के प्रभारी अधिकारी को निर्देशित किया कि बाढ़ से प्रभावित लोगो के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित रहे। उन्होंने वहां पर रह रहे लोगो से बात भी की। मेडिकल टीम, बच्चों के दूध, बिस्कुट तथा ससमय नाश्ता एवं खाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। ड्यूटी में तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी भी यहीं खाना खायेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि बाहर से पानी आने की वजह से पानी काफी तेजी के साथ बढ़ रहा है, जिसके दृष्टिगत 12 राहत शिविरों को क्रियाशील रखा गया है। 03 राहत शिविरों में काफी संख्या में बाढ़ से प्रभावित परिवार आ चुके है। राहत चैकियों पर पुलिस पेट्रोलिंग, नाव की व्यवस्था सहित सभी आवश्यक व्यवस्थायें करा दी गयी है। प्रत्येक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में राहत शिविर बनाये गये है, जहां पर जरूरत पड़ने पर बाढ़ से प्रभावित लोगो को वहां पर शिफ्ट कर दिया जायेगा। उन्होंने जल स्तर की स्थिति के मद्देनजर सभी राहत शिविरों को क्रियाशील करने के निर्देश दिए है तथा नाव से लाउड स्पीकर के माध्यम से सभी लोगो को पहले से ही तैयार करके राहत शिविरों में लाने का निर्देश भी दिया है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में सभी उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदारों को भी एलर्ट स्थिति में रहते हुए बाढ़ की स्थिति की लगातार मानीटरिंग करते रहने के लिए कहा तथा जो लोग बाढ़ से प्रभावित होने वाले है, उन्हें पहले से ही राहत शिविरों में व्यवस्थित कर दे तथा पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में चारा की भी व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाये। इस अवसर पर एडीएम वित्त/ राजस्व जगदम्बा सिंह, उपजिलाधिकारी सदर युवराज सिंह सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सपा नेता नरेंद्र सिंह ने बाढ़ ग्रस्त इलाकों का किया दौरा

मेजा रोड। वरिष्ठ सपा नेता पूर्व प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह ने गुरुवार को दोपहर बाढ़ ग्रस्त इलाके का दौरा करअब तक स्थानीय प्रशासन द्वारा किये जा रहे राहत तथा सहायता कार्यों की जानकारी ली। दोपहर एक बजे के लगभग वह अपनी टीम के साथ बरसैता गांव पहुंचे तो मेजारोड कोहड़ार मार्ग पर टोंस नदी का पानी भरा मिला। आवागमन बंद होने पर लोग नाव से यात्रा करते मिले। सपा नेता वहां उपस्थित नाविकों से जानकारी ली तो पता चला कि महज एक नाव स्थानीय प्रशासन की ओर से दी गई है, जो यात्रियों की संख्या को देखते हुए बहुत कम है। नाविकों ने यह भी बताया कि पिछले वर्ष आई बाढ़ का धन उन्हें नहीं मिल सका है। सपा नेता ने मौके पर जो देखा वह बहुत चिन्ता जनक बात रही, कि यात्रियों के साथ विभिन्न स्कूलों के बच्चे छोटी नाव से यात्रा कर रहे थे। सड़क के बीचोंबीच लगभग दस फिट भरे पानी मे किसी भी समय हादसा हो सकता है। उन्होंने प्रशासन पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कम से कम चार बड़ी नावें देने की बात कही।

पीडीए के कार्रवाई से मचा हड़कंप

झूंसी। पीडीए के दस्ते ने गुरुवार को भी अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अभियान चलाया अवैध प्लाटिंग पर हुई कार्यवाही के दौरान भू माफियाओं, प्लाट खरीदारों में खलबली मची रही। पीडीए ने गुरुवार को झूंसी में अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई की जेसीबी से अस्थाई व स्थाई बाउंड्री पिलर को तोड़ा गया घंटों चली कार्रवाई के दौरान प्रॉपर्टी डीलरो व प्लाट के खरीदारों में हड़कंप मचा रहा पीडीए के जोनल अजय कुमार के नेतृत्व में पीडीए का दस्ता जेसीबी के साथ झूंसी पहुंचा था। बऊ यादव व अन्य द्वारा नैका, देवनगर, उस्तापुर, महमूदाबाद में आठ बीघे में की गई अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई के साथ कनिहार में भू चुंबकत्व फैक्ट्री के पीछे उदय प्रताप श्रीवास्तव व अन्य द्वारा 20 बीघे में की गई अवैध प्लाटिंग पर कार्यवाही की गई। घण्टो चली कार्यवाही के दौरान अवर अभियंता राजेश कुमार श्रीवास्तव थाने की पुलिस व प्रथिकरण प्रवर्तन सचल दस्ता के साथ पीडीए प्रवर्तन टीम मौजूद रही।

कार्यालय ग्राम पंचायत चन्दौली वि. ख. करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

वित्तीय वर्ष 2022–23 मे ग्राम पंचायत चन्दौली विकास खण्ड करछना में कराये जाने वाले विकास कार्यो में मनरेगा, राज्य वित्त/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 26–08–2022 से दिनांक 10–09–2022 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत चन्दौली में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 11–09–2022 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला 11–09–2022 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	ग्राम पंचायत चन्दौली में अमृत सरोवर कार्य तालाब संख्या–71	20.35 लाख	3 माह

अनिल कुमार
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत चन्दौली
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

पत्रांक: मेमो/ग्राम पं. वि. अ./टेण्डर/ कोटेशन/ 2022–23/ दिनांक

राम सकल
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत चन्दौली
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

जाल में फंसा अजगर पकड़ कर ले गये वनकर्मी

झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र के जीटी रोड के निकट स्थित रेलवे ग्राउंड में गुरुवार की शाम एक अजगर मिलने से हड़कंप मच गया स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंचे वन कर्मी अजगर को पकड़ कर ले गए। जीटी रोड के उत्तर रेलवे का ग्राउंड है वहा क्षेत्रीय बच्चे क्रिकेट खेलने जाते हैं क्रिकेट खेलने के लिए बच्चों ने जाल भी लगाया है गुरुवार की शाम जब बच्चे क्रिकेट खेलने पहुंचे तो देखा की ग्राउंड में लगी जाल में एक अजगर फंसा हुआ है अजगर मिलने की सूचना पर मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई वहीं मामले की सूचना वन विभाग को भी दी गई वन विभाग से आए कर्मचारी अजगर को पकड़कर ले गए। लोगों की माने तो बाढ़ की वजह से जहरीले जंतु रिहाइशी इलाको की ओर आ रहे है।

छमता से अधिक लोग नाव से कर रहे आवागमन, लगाई गई पीएसी

झूंसी। बढ़ रहे गंगा जमुना का पानी अब रिहायसी इलाको में घुसने लगा है। गुरुवार को बाढ़ का पानी सोनौटी रहीमपुर मार्ग के साथ लीलापुर ढोकरी मार्ग पर भी पंहुचा गया जिसकी वजह से अवगम पूरी तरह से बंद हो गया। हसे भर से डूबे बदरा सोनौटी मार्ग पर पीएसी लगा दी गई है। एसडीआरएफ की टीम ने भी दौरा किया गंगा जमुना का रौद्र रूप आब लोगों को डरा रहा है। बदरा, सोनौटी, ढोलबजवा के बाद अब बाढ़ का पानी तुलापुर, मुंसीपुरवा, शेरडीह के साथ हनुमानगंज के लीलापुर कला गांव में घुस गया। पानी घटने का इंतजार कर रहे तराई क्षेत्र के लोग अब अपने समान समेट कर दूसरे के घर ले जाने लगे है। लोगो की माने तो इसी तरह पानी बढ़ता रहा तो बची फसल भी नस्ट हो जायेगा। वही बदरा सोनौटी मार्ग पर बोट से आवागमन कर रहे लोगो की सुरक्षा के लिए पीएसी तैनात कर दी गई है। नविको कि माने तो छमता से अधिक लोग बोट से आवागमन कर रहे है मना करने पर वह नही मानते कोई भी हदशा हो सकता है।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर चलाया गया हस्ताक्षर अभियान

सैदाबाद। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के तत्वाधान में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय के निर्देश के क्रम में पुरानी पेंशन बहाली एवं अन्य अनेक मांगों को लेकर विकास खंड सैदाबाद प्रयागराज में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष इंद्रेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। जिसमें ब्लॉक मंत्री विनोद भारतीय द्वारा संविलियन विद्यालय चांदोपारा प्राथमिक विद्यालय भवानीपुर मैं हस्ताक्षर अभियान चलाया गया ब्लॉक अध्यक्ष ने विकासखंड के समस्त विद्यालयों में गुरुवार को विशेष अभियान चलाकर पुरानी पेंशन बहाली हेतु शिक्षकों को आपसी मजबूती दिखाने के लिए हस्ताक्षर करने का अनुरोध किया था आज के हस्ताक्षर अभियान में ब्लॉक के समस्त विद्यालयों ने सहयोग किया ।

क्वालिटी मॉनिटर ने परखी पंचायत भवनों की गुणवत्ता

करछना। उत्तर प्रदेश सरकार के क्वालिटी मॉनिटर मानिकचंद व विकासखंड करछना के कर्मचारियों के साथ विकासखंड के हिंदूपुर ग्राम पंचायत में नवनिर्मित पंचायत भवन की गुणवत्ता की जांच की इसके अलावा विकास खंड के लखरावा एवं लिग दहिया पंचायत भवन की जांच के दौरान मानक की गुणवत्ता की जांच करने पहुंचे तो वहां पर पंचायत भवन हिंदूपुर की क्वालिटी देखकर प्रसन्नता जाहिर , बता दें कि सरकार की मंशा के अनुरूप पंचायती राज व्यवस्था के अधिकार को गांव स्तर पर क्रियान्वित करने के लिए प्रत्येक पंचायतों में पंचायत सचिवालय का निर्माण कार्य वर्षों पूर्व कराया गया था तथा जहां नहीं कराया गया था वहां कार्य तेजी से कराया जा रहा है जिससे ग्रामीणों की समस्याओं को पंचायत स्तर पर ही निस्तारण की जाए तथा ग्रामीणों को तहसील ब्लाक मुख्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े इसी क्रम में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर जांच करने पहुंचे अधिकारी गांव में बन रहे पंचायत भवनों का अवलोकन करते हुए जांच रिपोर्ट तैयार की उनके साथ करछना ब्लॉक से मनरेगा कंप्यूटर ऑपरेटर मनीष शुक्ला प्रधान मुख्तार अहमद हिंदूपुर ,प्रधान लखरावा आशीष पांडे, रोजगार सेवक महेंद्र कुमार यादव, प्रधान लिगदहिया सुरेंद्र कुमार सहित ब्लॉक कर्मी व प्रधान उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत अमिलो वि. ख. करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

वित्तीय वर्ष 2022–23 मे ग्राम पंचायत अमिलो विकास खण्ड करछना में कराये जाने वाले विकास कार्यो में मनरेगा, राज्य वित्त/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 26–08–2022 से दिनांक 10–09–2022 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत अमिलो में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 11–09–2022 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला 11–09–2022 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	प्राथमिक विद्यालय अमिलों में आपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत कार्य 3.00+0.60	3.60 लाख	3 माह
2.	पूर्व माध्यमिक विद्यालय अमिलों में आपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत कार्य 2.50+0.40	2.90 लाख	3 माह

अम्बाला तिवारी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत अमिलो
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

पत्रांक: मेमो/ग्राम पं. वि. अ./टेण्डर/ कोटेशन/ 2022–23/ दिनांक

अमरेश सिंह
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत अमिलो
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

कार्यालय ग्राम पंचायत मुंगारी वि. ख. करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

वित्तीय वर्ष 2022–23 मे ग्राम पंचायत मुंगारी विकास खण्ड करछना में कराये जाने वाले विकास कार्यो में मनरेगा, राज्य वित्त/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 26–08–2022 से दिनांक 10–09–2022 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत मुंगारी में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 11–09–2022 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेन्डर/कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 11–09–2022 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	इमामबाड़ा के चारो तरफ इण्टरलाकिंग कार्य	3.58 लाख	2 माह
2.	मां विन्ध्यवासिनी के मंदिर के सामने इण्टरलाकिंग कार्य	2.88 लाख	2 माह
3.	राजकुमार पाल के घर से कैलाश पाल के घर के सामने तक नाली निर्माण	2.50 लाख	2 माह
4.	राजकुमार पाल के घर से मुन्नी लाल के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	1.95 लाख	2 माह
5.	स्ट्रीटह लाईट	1.43 लाख	2 माह
6.	शिवशंकर मिश्रा के घर से काली रोड तक इण्टरलाकिंग कार्य	3.80 लाख	2 माह
7.	मनरेगा पार्क के बगल से हरिमंगल सिंह के घर तक इण्टलाकिंग कार्य	1.23 लाख	2 माह

गुजराता देवी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत मुंगारी
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

पत्रांक: मेमो/ग्राम पं. वि. अ./टेण्डर/ कोटेशन/ 2022–23/ दिनांक

अब्दुल वारी
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत मुंगारी
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

सीडीओ ने सांगीपुर ब्लाक का किया औचक निरीक्षण

पारदर्शिता व गुणवत्ता पर दिया जोर

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। जिले की सीडीओ ने गुरूवार को दोपहर अचानक सांगीपुर ब्लाक का औचक निरीक्षण किया। सीडीओ के अचानक ब्लाक आ धमकने से कर्मचारियों मे हडकंप मच गया। सीडीओ ईशा प्रिया ने ब्लाक मे निरीक्षण के दौरान चैदहवें वित्त समेत मनरेगा आदि से जुड़े अभिलेखों का घण्टों गहन परीक्षण किया। अभिलेखों में कुछ कालमों मे दुरूस्ती न देखकर सीडीओ का पारा मातहतों पर चढ़ आया।

सीडीओ ने विकास कार्यो से जुड़ी योजनाओं के संचालन में अभिलेखीय एवं स्थलीय गुणवत्ता को लेकर मातहतों को आगाह भी किया। उन्होंने चेताया कि पारदर्शिता न मिलने पर दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। परिसर के निरीक्षण मे सीडीओ ने बीडीओ रमाशंकर सिंह को भवनों के कमजोर होने की

सांगीपुर ब्लाक परिसर में गुरूवार को निरीक्षण करतीं सीडीओ ईशा प्रिया।

स्थिति में आकलन कर पुर्न मरम्मत के लिए तत्काल प्रस्ताव भेजवाये जाने के निर्देश दिये। वहीं सीडीओ ने ब्लाक के द्वारा संचालित अमृत सरोवर तथा अन्य निर्माण योजनाओं की प्रगति की भी जानकारी जुटाई। हालांकि सीडीओ ब्लाक के निरीक्षण के दौरान यहां संचालित परियोजनाओं की प्रगति को लेकर संतुष्ट दिखीं। सीडीओ ईशा प्रिया ने ब्लाक प्रमुख अशोक सिंह बब्लू के साथ पंचायत प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रधानों तथा बीडीसी सदस्यों से विकास कार्यों में सहयोग का आहवान करते हुए ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं में आ रही समस्याओं की भी जानकारियां हासिल की। निरीक्षण के दौरान डीसी एनआरएलएम डा. नागेन्द्र नारायण त्रिपाठी, डीडीओ ओमप्रकाश मिश्र, डीसी मनरेगा इंद्रमणि त्रिपाठी भी मौजूद रहे। इधर सीडीओ के निर्देश पर डीसी डा. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने चाहिन गांव पहुंचकर अमृत सरोवर का भी विधिवत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होनें सरोवर के इर्द-गिर्द हरे पौधों को भी रोपित कराये जाने के निर्देश दिये। ग्राम प्रधान ज्ञानवती वर्मा तथा तकनीकी सहायक इं. रमेशचंद्र शुक्ल व पंचायत सचिव राजीव कुमार, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी अनीस ने सरोवर निर्माण को लेकर उन्हें वांछित जानकारियां प्रदान की।

अधिवक्ता के घर हुई लाखों की चोरी

सप्ताह भर में बदमाशो ने लगभग आधा दर्जन घटना को दिया अंजाम

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र में लगातार हो रही लूट व चोरी की घटनाओं से लोग दहशत की जिंदगी जीने को मजबूर हो गए है। अभी हाल ही में हुई लूट व चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए जहां पुलिस हाफ रही है वही अधिवक्ता के घर में लाखो की चोरी की घटना को अंजाम देकर बदमाशो ने पुलिस की नीद हराम कर दी।

स्थानीय क्षेत्र में हुई दर्जनों लूट व चोरी की घटनाओं का खुलासा करने में नाकाम पुलिस को चोरों ने मेढवा निवासी सतेश सिंह के यहा बुधवार की रात चोरी की घटना को अंजाम देकर नीद हराम कर दी।अधिवक्ता सतेश सिंह ने पुलिस को दिए तहरीर में आरोप लगाया है कि वह खा-पीकर परिवार के साथ सो गया। अज्ञात चोरों ने छत

चोरी के बाद बिखरा पड़ा सामान

के सहारे घर में दाखिल हो गए। अलमारी व बाक्स को तोड़कर 15 हजार नगदी समेत लाखो के जेवरात उठा ले गए। सुबह जब लोग उठे तो सामान बिखरा देख कर सन्न रह गए। अधिवक्ता सतेश ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध पुलिस को तहरीर दी है।

वहीं 3 जून को कैथौला के इटहा में चोरों ने फौजी के घर समेत दो को निशाना बनाते हुए लाखो की चोरी की घटना को अंजाम दिया था। यही नहीं 31 जुलाई को रामपुर व बेलहा में दुकान समेत पांच जगह चोरी हुई थी। 20 अगस्त को अगई स्थित अमर ऑटो सेल्स पर लूट के साथ ही 23 अगस्त को चोरों ने चकौड़िया गांव के दो घरों में नगदी समेत लाखो के जेवरात की चोरी की घटना को अंजाम दिया था। क्षेत्र में हो रही लगातार घटना को रोक पाने में पुलिस असहाय दिखाई दे रही है। वहीं क्षेत्र के लोग दहशत की जिंदगी जीने को मजबूर है।

छात्र के साथ मारपीट पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने छात्र के साथ अज्ञात आरोपियो द्वारा मारपीट किये जाने को लेकर गुरूवार को गंभीर धाराओं मे केस दर्ज किया गया है। कोतवाली के हिरऊ का पुरवा बेलहा निवासी भोला मिश्र की पत्नी गायत्री मिश्रा ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती अठारह अगस्त को दिन मे बारह बजे उसके लड़के सत्यम को आठ दस अज्ञात लोगों ने पकड़ने की कोशिश की। सत्यम डगरारा गांव में संचालित एक स्कूल में पढ़ाई करता है। रास्ते मे अज्ञात लोगों ने जब उसे पकडना चाहा तो उसने शोर मचाया। इस पर आरोपियो ने सत्यम को जमकर मारापीटा। आरोपियों के चंगुल से किसी तरह छूटकर जब वह घर पहुंचा तो वह मां से आपबीती बतायी।

हैवान बना दरोगा, थाने में शराब पिलाकर लड़की से किया दुष्कर्म

न्यायालय के आदेश पर दरोगा के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले में खाकी एक बाद फिर शर्मसार हुई है। एक दरोगा ने नाबालिग लड़की को न्याय दिलाने के बहाने 15 दिन तक थाना परिसर में अपना मुंह काला करता रहा। थाने के दरोगा थे इसलिये कोई मुंह नहीं खोल रहा था लेकिन जब यह सूचना नाबालिग बालिका के पिता को लगी तो उसने न्यायालय में गुहार लगाई और न्यायालय ने मुकदमा दर्ज करने का आदेष दिया जिस पर पुलिस ने दरोगा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

जिला प्रतापगढ़ अपने कारनामे की वजह से अक्सर चर्चा में रहता है, जितना बड़ा नाम उतना बड़ा कारनामा यहां होता है। इस बार फिर यहां खाकी पर काला धब्बा लगा है। महेशगंज थाने में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का घिनौना मामला सामने आया है। दरोगा महेंद्र सिंह पर आरोप है कि उसने 15 दिन तक लड़की को थाने में रखा और शराब पिलाकर उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया। लड़की के पिता की गुहार पर जब कोर्ट ने आदेश दिया तब आरोपी दरोगा महेंद्र सिंह के खिलाफ कार्रवाई हुई। दरोगा पर दरोगा पर नाबालिग के साथ दुष्कर्म समेत अन्य कई धाराओं में महेशगंज थाने रिपोर्ट दर्ज हुई है। बरहाल पुलिस मामले की लीतापोती में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार नाबालिग लड़की को उसकी सहेली ने नौकरी के बहाने उसका सौदा कर किसी अन्य के हाथ बेच दिया था। महेशगंज पुलिस ने बीते माह 9 जून को नाबालिग लड़की को बरामद कर लिया। इसके बाद दरोगा ने 15 दिन तक किशोरी को थाने में शराब पिला कर अपनी हवस का शिकार बनाया था। इस मामले की जानकारी जब लड़की ने अपने पिता को दी तो पिता ने न्याय पाने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। पुलिस से न्याय न मिलने पर लड़की के पिता ने न्यायालय से एफआईआर दर्ज करने की गुहार लगाई। इसके बाद कोर्ट ने पुलिस को आरोपी दरोगा के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया। आरोपी दरोगा महेशगंज थाने में ही तैनात था।

गुरुवार को झूमके बरसा पानी, तापमान लुढ़का 24 डिग्री पर

जगह-जगह हुआ जलभराव, परेशानी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। गुरुवार को जिले में सुबह आठ बजे से ही वर्षा शुरू हो गई थी। बीच में धूप निकली लेकिन शाम ढलते ही फिर वर्षा शुरू हो गई। यह क्रम देर शाम तक चलता रहा। इससे सड़कों, उसके किनारे तथा गलियों में जलभराव देखने को मिला।

वर्षा होने से वातावरण नम हो गया है। आज न्यूनतम तापमान 24.3 डिग्री तथा अधिकतम तापमान 31.5 रिकार्ड किया गया। लोगों को गर्मी से जहां राहत मिली है, वहीं धान की खेती के लिये यह बारिष लाभकारी है। नगर पालिका के विस्तारित क्षेत्रों सियाराम कालोनी, जोगापुर, रुपापुर आदि क्षेत्रों में स्थिति बद से बदतर रही।

जिला अस्पताल गेट के सामने हुआ जलभराव।

टूटी-फूटी सड़कों पर जलजमाव होने से आवागमन ज्यादा प्रभावित हुआ है। सियाराम कालोनी में एक बड़ा कोचिंग तथा चार स्कूल हैं। वर्षा होने से हुए जलभराव से छात्र-छात्राओं को आवागमन में ज्यादा परेशानी हुई।

कई दिनों बाद आज 31 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। सई नदी का भी जलस्तर बढ़ने लगा है। नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह का दावा है कि नियमित सफाई होने से पानी इकट्ठा तो हुआ, लेकिन वह थोड़ी देर में नालियों से बह गया।

बेल्हा के प्राइमरी शिक्षक अखिलेश पाण्डेय एवं रश्मि मिश्रा होंगे सम्मानित

30 अगस्त को लखनऊ में होंगे सम्मानित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्राइमरी स्कूलों में अध्यापन करने वाले शिक्षकों को कहानी प्रतियोगिता विजेता के रूप में सम्मानित किया जाएगा। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा जिले से दो शिक्षको का राज्य स्तरीय कहानी प्रतियोगिता विजेता के रूप में चयन हुआ है।

सम्मिलित विद्यालय मांधाता ब्लॉक मांधाता जनपद प्रतापगढ़ के शिक्षक अखिलेश चंद्र पाण्डेय अपने शैक्षिक नवाचारो, कर्मठता तथा मधुर व्यवहार के बल पर जहां एक ओर क्षेत्र में प्रसिद्ध हैं वहीं दूसरी ओर विभाग द्वारा राज्य स्तरीय कहानी सुनाओ प्रतियोगिता में भी

रश्मि मिश्रा

अखिलेश पाण्डेय

सफल हुए हैं। इनको 30 अगस्त को लखनऊ बेसिक शिक्षा निदेशालय उत्तर प्रदेश के प्रांगण में सम्मानित किया जाएगा। इसी तरह जनपद की शिक्षिका रश्मि मिश्रा कंपोजिट स्कूल मरुआन ब्लॉक बाबा बेलखरनाथ धाम प्रतापगढ़ अपने नवीन प्रयासों व बेसिक शिक्षा के प्रति अपने समर्पण के कारण प्रसिद्ध हैं। ध्यातव्य है कि विगत 3 वर्षों से कहानी प्रतियोगिता विजेताओं को एक साथ 30 अगस्त को लखनऊ बुला करके सम्मानित किया जा रहा है। प्रतापगढ़ के लिए यह गौरव की बात है कि जिले का मान बढ़ाते हुए रश्मि मिश्रा व अखिलेश चंद्र पांडेय ने भी इस प्रतियोगिता में विजेता के रूप में स्थान अर्जित किया है। इनकी इस सफलता से विद्यालयों में एक प्रेरक वातावरण बना है। बीएसए भूपेंद्र सिंह ने दोनों शिक्षकों को इस सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी है तथा अन्य शिक्षकों के लिए प्रेरणा श्रोत बताया है।

1.31 कुंतल गांजा के साथ तीन गिरफ्तार

प्रतापगढ़। दिलीपपुर पुलिस व स्वाट टीम ने एक कुंतल 31 किलो गांजा बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने प्रेसवार्ता में बताया कि पुलिस की चेकिंग के दौरान दिलीपपुर थानाध्यक्ष, धर्मेंद्र सिंह, स्वाट टीम प्रभारी सुनील यादव की टीम ने तीन अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। ये गांजा तस्कर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर होंडा सिटी कार से गांजा की तस्करी करते थे। बरामद गांजा की कीमत 20 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने यह कार्यवाही दिलीपपुर थाना क्षेत्र के हुमायू पुल के पास से की है। पुलिस ने गांजा तस्करों के पास से 1 कुंतल 31 किलो 590 ग्राम अवैध गांजा, होडा सिटी कार, 3 मोबाइल फोन, 3 हजार रुपए नगद बरामद किया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

आपस में भिड़े रेल कर्मी, एक निलंबित

ड्यूटी रोस्टर को लेकर पावर हाउस कर्मियों में हुई गाली गलौच

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। गुरुवार को दोपहर रेलवे पावर हाउस के दो कर्मचारियों के बीच विवाद और गाली गलौच हुआ। जानकारी होने पर उच्च अधिकारियों ने एक कर्मचारी को निलंबित कर दिया है। कानूनी कार्रवाई के लिए दोनो पक्ष जीआरपी थाने पर लिखा पढ़ी कर रहे हैं। अभी तक किसी के खिलाफ एफआइआर दर्ज नहीं हुई है।

जानकारी के अनुसार ड्यूटी रोस्टर को लेकर इलेक्ट्रिक फोर मैन और उनके एक स्टाफ के बीच दोपहर में विवाद हो गया। फोरमैन का आरोप है कि कर्मचारी ने उन्हें भद्दी भद्दी गालियां दी। उन्होंने इसकी शिकायत सीनियर डीई से भी की। मामले की पड़ताल के बाद डीई ने आरोपी कर्मचारी को तत्काल निलंबित करने का फरमान सुना दिया। इसके अलावा कानूनी कार्रवाई के लिए फोरमैन जीआरपी में लिखा पढ़ी कर रहे हैं। निलंबित कर्मचारी ने आरोप लगाया है कि फोरमैन ड्यूटी रोस्टर में अनियमितता करते हैं। उसने रोस्टर से ड्यूटी लगाने की बात कही तो झगड़ा करने लगे। उसकी तरफ से भी तहरीर थाने में दी जा रही है। उसके साथ मेंस यूनियन के लोग भी लामबंद हो गए है। ब्रांच मंत्री अनिल शुक्ला ने कहा कि रोस्टर से ड्यूटी लगाने की मांग यूनियन की तरफ से बराबर की जा रही है। अन्याय नहीं होने पायेगा। वैसे फोरमैन भी दमदार है। यह जानते हुए कि आरोपी कर्मी यूनियन में है। उसके एक फोन पर सीनियर डीई द्वारा बिना देरी किए निलंबित किए जाने के कई मायने निकाले जा रहे हैं। बता दें कि इसके पूर्व भी ड्यूटी रोस्टर को लेकर फोरमैन से कर्मचारी का विवाद हो चुका है। उस समय फोरमैन भी दमदारी के साथ डटा रहा। जब तक रहा यहां के यूनियन के नेता फटक नहीं पाए। इस बारे में एसओ जीआरपी से बात करने का प्रयास किया गया।

सीओ की फटकार पर पुलिस ने दर्ज किया दलित उत्पीड़न का मुकदमा

लालगंज, प्रतापगढ़। सीओ की फटकार पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दलित उत्पीडन का केस दर्ज किया है। कोतवाली के गंगादीन का पुरवा गौखाड़ी निवासी भुल्लर के पुत्र बृजेश गौतम ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि चैबीस अगस्त को रंजिशन जनई गांव के सोनू पटेल पुत्र राधेश ने तीन चार अज्ञात लोगों के साथ उसे घेरकर मारापीटा। आरोपियों ने पीडित के घर पहुंचकर पीडित तथा उसके माता-पिता के साथ मारपीट की। विरोध करने पर आरोपियो ने पीड़ित व उसके परिवार के सदस्यों को जातिसूचक गालियां दी। आरोपियों ने शिकायत करने पर जानलेवा धमकी दी। पीड़ित ने सीओ से मिलकर आपबीती सुनाई। सीओ की फटकार पर गुरूवार को आरोपियो के खिलाफ बलवा तथा मारपीट व धमकी समेत एससीएसटी एक्ट का केस दर्ज किया गया है।

चार के खिलाफ मारपीट व धमकी का मुकदमा

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने चार आरोपियो के खिलाफ रंजिशन मारपीट व गालीगलौज को लेकर गुरूवार को केस दर्ज किया है। कोतवाली के पूरे वीरबल निवासी रामराज सरोज की पत्नी राजकुमारी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती पांच अगस्त को सुबह सात बजे विपक्षी उसके दरवाजे पर आ धमके। गांव के विपक्षी श्रीराम की पत्नी आशा देवी सरोज व पुत्री फोटू तथा मीनाक्षी व पुत्र श्रीराम सरोज ने उसे मारापीटा। शोर मचाने पर आरोपियों ने धमकी देते हुए भददी-भददी गालियां दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गुरूवार को केस दर्ज किया है।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास

31 हजार रुपये का लगा अर्थदण्ड

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अपर जनपद न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पाक्सो अधिनियम पंकज कुमार श्रीवास्तव ने 11 वर्षीय नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी राजकुमार उर्फ फुटानी मौर्य निवासी सराय संसारा थाना लालगंज को दोषी पाते हुए कठोर आजीवन कारावास (जो अभियुक्त की शेष प्राकृतिक जीवन काल के लिए होगी) और इकतीस हजार अर्थदंड से दंडित किया।

वादी मुकदमा के अनुसार वह प्रतापगढ़ जिला मुख्यालय में व्यवसाय करता है तथा किराए पर कमरा लेकर जिला मुख्यालय प्रतापगढ़ में पत्नी व एक बेटा व एक बेटी के साथ रहता है। घटना 3 जून 2022 समय लगभग दो बजे की है। उसकी नाबालिग पुत्री उम्र (11) वर्ष घर पर उसके (8) वर्षीय पुत्र के साथ अकेली थी वह कचेहरी चला आया था तथा पत्नी किसी कार्य से बाहर सामान लेने चली गई थी तभी राजकुमार फुटानी निवासी सराय संसारा थाना लालगंज आया वह मेरे यहां पहले से भी आता जाता था क्योंकि वह खाना बनाने का कार्य करता था। उसने मेरी लड़की पीडिता से मेरे और मेरी पत्नी के बारे में पूछा मेरी लड़की पीडिता ने कहा बाहर गए कोई नहीं है। वह मेरे घर में आया और मेरे 8 वर्षीय बालक को बहला-फुसलाकर किचन में बंद कर दिया तथा लड़की के साथ जबरन दुष्कर्म किया। राज्य की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक देवेश चंद्र त्रिपाठी ने की।

अवैध तमंचा व चाकू के साथ तीन अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। थाना सांगीपुर के उ0नि0 हरिमोहन राजपूत मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्र के एस0डी0डी0 इण्टर कॉलेज, तारापुर के पास से तीन व्यक्तियों नकुल गौतम, प्रदीप कुमार गौतम व संतोष गौतम को एक अदद अवैध देसी तमंचा 12 बोर, एक अदद खोखा कारतूस 12 बोर, दो अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर व एक अदद चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में थाना सांगीपुर पर क्रमश मु0अ0सं0 234/2022 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट, मु0अ0सं0 235/2022 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट व मु0अ0सं0 236/2022 धारा 3/4/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त में नकुल गौतम पुत्र होरीलाल गौतम निवासी पूरेवंशी, थाना लालगंज, प्रदीप कुमार गौतम पुत्र रामकृपाल गौतम निवासी भिमौरा, थाना लालगंज व संतोष गौतम पुत्र रामकृपाल गौतम निवासी भिमौरा, थाना लालगंज, जनपद प्रतापगढ़ शामिल रहे।

एक सप्ताह से जला है ट्रांसफार्मर, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

अंधेरे में रहने को मजबूर है ग्रामीण

पट्टी, प्रतापगढ़। एक सप्ताह से ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण ग्रामीण अंधेरे में रहने को विवश दिखाई दे रहे हैं। विभाग में सूचना देने के बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं लग सका है, जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश दिखाई दे रहा है। इसको लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्षन किया।

पट्टी तहसील क्षेत्र के फतेहपुर गांव में 25 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा हुआ था। एक सप्ताह पहले ओवरलोड के कारण वह जल गया जिसके बाद गांव में अंधेरा पसर गया। सैकड़ो घर की बिजली गुल हो जाने से लोग परेशान हो गए। फतेहपुर और तिवारीपुर के लोगो के लिए ट्रांसफार्मर जल जाने से परेशानी बढ़ गई।

युवा शक्ति संगठन के अध्यक्ष शिवम पटेल ने अपने साथियों के साथ पट्टी विद्युत उपकेंद्र पर इसके लिए शिकायत किया और टोल फ्री नंबर पर ट्रांसफार्मर जलने की सूचना दिया। ट्रांसफार्मर तो लगा नहीं लगा लेकिन विभाग की वेबसाइट पर कंप्लेंट नंबर डालने पर समस्या का समाधान निस्तारित कर दिया गया है।। जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। गांव के रहने वाले अर्जुन पटेल का कहना है कि बरसात के मौसम में बिजली न होने के कारण जहरीले जंतु के घर में घुस जाने से खतरा बना रहता है तो वही अच्छेलाल का कहना है कि उमस भरी गर्मी में ट्रांसफार्मर जल जाने से लोग बेहाल हो जा रहे हैं। मुकीम अहमद का कहना है की विभागीय अधिकारी इस संबंध में कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस संबंध में जेई मुकेश साहनी से बात करने पर उन्होंने बताया कि ट्रांसफार्मर जलने की सूचना प्राप्त हुई है जल्द ही ट्रांसफार्मर गांव में लगा दिया जाएगा।

ट्रांसफार्मर जलने पर प्रदर्शन करते ग्रामीण।

ट्रेन में गूंजी किलकारी, यात्री बने सहारा

मरुधर एक्सप्रेस में महिला यात्री को लड़का पैदा हुआ

रेल कर्मी ने काल करके बुलाई एम्बुलेंस

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जयपुर से बनारस जाने वाली मरुधर एक्सप्रेस ट्रेन में गुरुवार को महिला यात्री ने बेटे को जन्म दिया। डिलीवरी के समय कोच के महिला यात्री प्रसूता की मदद को आगे आ गए। जच्चा और बच्चा दोनो स्वस्थ हैं। ट्रेन बिना देरी के अपने गंतव्य की ओर चल पड़ी। बनारस जा रही मरुधर एक्सप्रेस में ओम प्रकाश शर्मा गर्भवती पत्नी सावित्री के साथ सफर कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार ट्रेन के अंतू पहुंचने पर सावित्री को दिक्कत होने लगी। ओम प्रकाश ने फौरन टीटीई से संपर्क किया। उसने एम्बुलेंस की डिमांड की। इसकी सूचना कन्ट्रोल में पहुंच गई। प्रतापगढ़ में एसएस और आउट डोर के फोन घनघनाए। सूचना मिलते ही टीएनसी गोविद ने फुर्ती दिखाई। फौरन काल करके एम्बुलेंस बुला ली। ट्रेन के प्रतापगढ़ पहुंचने पर पता चला कि सावित्री का सकुशल प्रसव कोच में हो गया है। ओम प्रकाश ने गोविंद को बताया कि लड़का हुआ है। उसने एम्बुलेंस की मदद से इंकार किया। बोला की अब वह अपनी यात्रा बनारस तक जारी रखना चाहता है।

पूर्व ब्लाक प्रमुख के पुत्र के निधन पर शोक

प्रतापगढ़। सदर के पूर्व ब्लाक प्रमुख राम प्रकाष सरोज के पुत्र अधिवक्ता अरविन्द प्रकाष सरोज की बीती रात असामयिक मृत्यु हो जाने से लोग स्तब्ध हैं। आज सुबह से उनके निवास पर अधिवक्ताओं, नेताओं व परिचितों का तांता लगा हुआ है। आल इण्डिया रुलर बार एसोसिएषन के अध्यक्ष मुक्कू ओझा, जिला अध्यक्ष अंजनि सिंह, मीडिया प्रभारी आसिफ सिद्दीकी आदि ने ब्लाक प्रमुख के पुत्र के निधन पर गहरा शोक जताया है और परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की ईष्वर से प्रार्थना की।

खबर संक्षेप

अपना बयान साक्ष्य न्यायालय के समक्ष 28 अगस्त तक करें प्रस्तुत

कौशाम्बी। सिविल जज (जू0डि0) कौशाम्बी अभिषेक गुप्ता ने अवगत कराया है कि विचाराधीन बन्दी रजेश उर्फ हीरो पुत्र मुन्नीलाल निवासी-मलाक मुईउद्दीनपुर थाना पूरामुफ्ती के न्यायिक जॉच न्यायालय सिविल जज जूडि /न्यायिक मजिस्ट्रेट में विचाराधीन है सिविल जज (जू0डि0) ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि बन्दी रजेश उर्फ हीरो की मृत्यु के सम्बन्ध में यदि कोई व्यक्ति अपना बयान साक्ष्य न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करना चाहता है तो वह 28 अगस्त 2022 तक न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता हैं।

बैठक 1 सितम्बर को

कौशाम्बी। सांसद विनोद सोनकर की अध्यक्षता में 1 सितम्बर को उदयन सभागार में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई हैं सांसद द्वारा मनरेगा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पीएम आवास योजना शहरी ग्रामीण स्वच्छ भारत मिशन राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना डिजिटल भारत भू-अभिलेख आधुनिकी करण कार्यक्रम प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना सुगम्य भारत अभियान बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि आदि योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की जाएगी।

ऋण जमा अनुपात कम पाए जाने पर डीएम ने बैंकों को लगाई फटकार

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों के साथ उदयन सभागार में जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक की गई बैठक में जिलाधिकारी ने ऋण जमानुपात की समीक्षा के दौरान स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया एवं पंजाब नेशनल बैंक का अन्य बैंको के सापेक्ष ऋण जमानुपात कम पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए कार्ययोजना बनाकर सुधार लाने के निर्देश दिये उन्होंने कृषि किसान क्रेडिट कार्ड मत्स्य पालन किसान क्रेडिट कार्ड एवं पशु पालन किसान क्रेडिट कार्ड में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति लाने के निर्देश दिये तथा सम्बन्धित अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष आवेदन बैंकों को प्रेषित करने तथा बैंक अधिकारियों को आवेदनों को समय से निस्तारित करने के निर्देश दिये जिलाधिकारी ने सभी बैंकों के अधिकारियों से कहा कि विभिन्न योजनाओं के ऋण आवेदनों को लम्बित न रखा जाय तथा स्वीकृत ऋण आवेदनों को तत्काल वितरित कर दिया जाय। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ऋण आवेदनों

डीएम ने की जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक, विभिन्न योजनाओं के ऋण आवेदनों को लम्बित न रखा जाय स्वीकृत ऋण आवेदनों को तत्काल ऋण वितरित किया जाय

जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक करते डीएम

को अनावश्यक अस्वीकृत न किया जाय, इस पर विशेष ध्यान दिया जाय। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को अपने विभाग से सम्बन्धित लक्ष्य के सापेक्ष ऋण आवेदनों को बैंको को प्रेषित करने के निर्देश दिये। उन्होंने ओडीओपी की समीक्षा के दौरान उपायुक्त उद्योग से कहा कि यह योजना मुख्यमंत्री की महत्वाकॉक्षी योजना है इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाय तथा लक्ष्य के सापेक्ष आवेदन बैंको को प्रेषित कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय जिलाधिकारी ने पं0 दीनदयाल स्वरोजगार योजना की समीक्षा के दौरान वर्ष-2022-23 में लक्ष्य 1340 के सापेक्ष केवल 312 आवेदनों को बैंको को प्रेषित करने पर नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि एडीओ (समाज कल्याण) को निर्देशित किया जाय कि और अधिक आवेदनों को बैंको प्रेषित कर प्रगति लायें, अन्यथा सख्त कार्यवाही की जायेंगी। उन्होंने एलडीएम से कहा कि आकॉक्षात्मक विकास खण्ड मंझनपुर एवं कौशाम्बी में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना एवं प्रधानमंत्री मुद्रा योजना आदि का शत-प्रतिशत संतृप्त किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बाबा साहब अम्बेडकर पुरस्कार प्रोत्साहन योजना, स्वयं सहायता समूह, मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना सहित आदि योजनाओं के तहत ऋण आवेदनों पर की गई कार्यवाही की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डा0 रवि किशोर त्रिवेदी एवं जिला विकास अधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीओ के साथ कोतवाल ने किया पैदल गस्त

कौशाम्बी कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने और जनसामान्य में सुरक्षा व्यवस्था का एहसास कराने के उद्देश्य से क्षेत्राधिकारी मंझनपुर और मंझनपुर कोतवाली पुलिस ने बुधवार की शाम को मंझनपुर कस्बा क्षेत्र में पैदल गस्त किया पैदल गश्त के दौरान उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों की और संदिग्ध वाहनों की जांच पड़ताल की। पुलिस महानिदेशक के पैदल गस्त के निर्देश के क्रम में क्षेत्राधिकारी मंझनपुर एवं प्रभारी निरीक्षक मंझनपुर के साथ चौकी प्रभारी एवं थाना मंझनपुर की पुलिस बल के द्वारा कस्बा मंझनपुर में बुधवार की शाम को पैदल गस्त करके संदिग्ध व्यक्ति संदिग्ध वाहनो की चेकिंग की गई गश्त के दौरान पुलिस ने यातायात व्यवस्था एवं शराब के ठेकों की चेकिंग की इस मौके पर शराब ठेके पर मौजूद लोगों को कोतवाल ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि वह शराब खरीद कर सीधा घर जाएं किसी प्रकार का उत्पात मचाएंगे तो उनकी खैर नहीं होगी पैदल गश्त के दौरान क्षेत्राधिकारी और कोतवाल ने जनमानस में सुरक्षा व्यवस्था का एहसास कराया।

पिता के अत्याचार से भागे भाई बहनों को पुलिस ने किया बरामद

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के लकोडा गांव निवासी मान सिंह की 17 वर्षीय पुत्री आंचल देवी और लड़का मनीष कुमार उम्र 9 वर्ष दोनों बुधवार की भोर में घर छोड़कर भाग गए थे मामले की सूचना मान सिंह ने पुलिस को दी मान सिंह ने पुलिस को बताया कि उसकी पुत्री और पुत्र का लोगों ने अपहरण कर लिया है अपहरण की जानकारी मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और मोहल्ले वासियों से पूछताछ शुरू की जहां भाई-बहन के गायब होने की पुष्टि हुई पुलिस ने अपने मुखबिरों का जाल फैलाया और भाई बहन को खोजना शुरू कर दिया पुलिस की मेहनत रंग लाई और दोनों भाई बहन को पुलिस ने बरामद कर लिया है गोण्डा जनपद के मनका पुर से भाई-बहन

बरामद भाई बहन

बरामद हुए हैं दोनों का कहना है कि उनके पिता उनके साथ मारपीट अत्याचार करते हैं जिससे वह घर छोड़ कर चले गए थे गायब भाई बहन के बरामद होने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली है लेकिन भाई बहन के बरामद होने के बाद तमाम सवाल छूट गए हैं उनके गांव से कोई साधन नहीं है जिससे वह आधी रात को गांव छोड़कर बाहर जा सके उन्हें गांव से बाहर ले जाने वाला कौन वाहन चालक है गायब भाई बहन का कहना है कि उनके पास पैसे नहीं थे तो फिर वह गोण्डा तक कैसे पहुंचे यह तमाम सवाल अनुत्तरित रह गए हैं इस सवाल पर थाना पुलिस कुछ बोलने को तैयार नहीं है।

घूस लेते दीवान के वीडियो वायरल में एसपी ने सीओ को सौंपी जांच

कोखराज कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के एक लकड़ी माफिया से घूस की रकम लेते कोखराज थाने के दीवान का वीडियो वायरल हुआ है वायरल वीडियो को संज्ञान लेकर पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी सिराथू को प्रकरण की जांच सौंप दी है एसपी द्वारा जांच के निर्देश दिए जाने के बाद अपने बचाव में लकड़ी माफिया भी तरह-तरह के बहाने बाजी करना शुरू कर दिया है वही दीवान भी घूसखोरी के मामले में बयान बाजी कर अपने को बचाने का प्रयास कर रहा है जबकि लकड़ी माफिया से रकम लेते वक्त वीडियो में स्पष्ट सुना जा सकता है मौके पर अन्य सिपाही भी मौजूद है बताते चलें कि यह लकड़ी माफिया बीते तीन दशक से अवैध लकड़ी की कटान उसके परिवहन में लिप्त है लेकिन पुलिस से गहरे रिश्ते के चलते लकड़ी माफिया पर ठोस कार्यवाही नहीं हो सकी है दीवान से घूसखोरी का वीडियो वायरल होने के बाद भी ना तो दीवान पर अभी तक कार्रवाई हुई है और ना ही लकड़ी माफिया पर कार्रवाई हो सकी है।

आईजीआरएस के तहत प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की डीएम ने की विस्तृत समीक्षा

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार द्वारा उदयन सभागार में आईजीआरएस के तहत प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की विस्तृत समीक्षा की गई जिलाधिकारी ने विभिन्न अधिकारियों के स्तर पर लम्बित शिकायतों की समीक्षा के दौरान शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान न देने पर कड़ी नाराजगी प्रकट करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निस्तारण में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाय अन्यथा सख्त कार्यवाही की जायेंगी। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर शिकायतकर्ता से वार्ता कर एवं मौके पर जाकर समयान्तर्गत निस्तारित किया जाय तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी शिकायत लम्बित न होने पाये

शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाय अन्यथा सख्त कार्यवाही की जायेगी

जिलाधिकारी ने थाना मंझनपुर एवं सैनी में अधिक संख्या में शिकायत लम्बित होने पर थानाध्यक्ष मंझनपुर एवं सैनी से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने बैठक में अनुपस्थित रहने पर ईओ चरवा से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिये। उन्होने सभी अधिकारियों से कहा कि 31 अगस्त के पूर्व सभी शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाय इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डा0 रवि किशोर त्रिवेदी अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी एवं ई0-डीएम श्री कीर्त सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

न्यूज झरोखा

विक्षिप्त को पीटकर जाहिल बना दबंग

कौशांबी। पश्चिम शरीरा थाना के हनुमान मंदिर के चौराहे के पास एक दबंग ने विक्षिप्त को लाठियों से पीटा है बचाव के लिए विक्षिप्त चिल्लाता रहा लेकिन दबंग लगातार लाठियों से उसकी पिटाई करता रहा दबंग के अत्याचार का तमाशा देखने

के लिए मौके पर लोगों की खासी भीड़ इकट्ठा हो गई लेकिन दबंग की लाठियों को रोकने का साहस किसी का नहीं था इलाके में दबंग का अत्याचार और आतंक पहले से कायम है मजलूमो के साथ मारपीट कर यह दबंग जाहिल बन चुका है पुलिस के संपर्क में रहने के चलते इस दबंग पर कार्यवाही नहीं होती है बताया जाता है कि दबंग मोबाइल का रिचार्ज आदि थाना पुलिस का कर दिया करता है जिससे पुलिस का वह खासम खास बना हुआ है मानसिक विक्षिप्त को पीटने वाले इस दबंग पर खबर लिखे जाने तक पश्चिम शरीरा थाना पुलिस ने कार्यवाही नहीं की है खुलेआम चौराहे पर गुंडई कर कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाले दबंग पर कार्यवाही किए जाने की मांग लोगों ने की है।

मछली पकड़ने के दौरान गंगा नदी में मिली बाइक

अझुवा कौशाम्बी। कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के अकबरपुर गंगा घाट में मछुआरे मछली पकड़ने के लिए जाल डालकर मछली फसा रहे थे इसी बीच मछुआरों की जाल में एक मोटरसाइकिल फस गई जिसे मछुआरों ने गंगा नदी से बाहर निकाला गंगा

नदी से बरामद मोटरसाइकिल में नंबर नहीं है हीरो होंडा स्प्लेंडर गाड़ी मछुआरों के जाल में गंगा नदी से बरामद हुई है यह बाइक गंगा नदी तक कैसे पहुंची इसको लेकर के लोगों के बीच तरह-तरह की चचाएं हैं बाइक के इंजन नंबर और चेसिस नंबर के आधार पर पुलिस बाइक का खुलासा कर सकती है मामले की सूचना कड़ा धाम कोतवाली पुलिस को दी गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने बाइक अपने कब्जे में ले लिया है जांच के दौरान किसी नतीजे तक पुलिस नहीं पहुँच सकी है इसके पहले भी मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के भैरो बाबा देवस्थान के पास कुएं से एक बाइक बरामद हुई थी जिसका भी खुलासा पुलिस नहीं कर सकी है।

श्री कृष्ण छठी के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन

कौशाम्बी। भगवान श्री कृष्ण के जन्म के उपरांत छठी के अवसर पर मंझनपुर कस्बे के प्राचीन दुर्गा मंदिर प्रांगण में भक्तों द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है इस मौके पर हजारों महिला पुरुष भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण

छठी का प्रसाद ग्रहण किया बुधवार को दुर्गा मंदिर परिसर में भगवान श्री कृष्ण का छठी उत्सव धूमधाम से मनाया गया था इस मौके पर कीर्तन भजन उत्सव का भी आयोजन किया गया सुबह से ही छठी उत्सव की तैयारी में भक्त लगे रहे प्राचीन दुर्गा मंदिर प्रांगण में बुधवार की देर शाम विशाल भंडारे का आयोजन किया गया 8:00 बजे से शुरू हुए भंडारा में 11:00 बजे रात्रि तक भक्त प्रसाद ग्रहण करते रहे भगवान श्री कृष्ण के जयकारे से पूरा पांडाल गूंजता रहा चारों ओर भगवान श्री कृष्ण की महिमा का बखान होता रहा।

तीन दिन से लावारिस हालत में खड़ी है मोटर सायकिल

कल्यानपुर कौशांबी। जनपद मुख्यालय कौशांबी के संयुक्त जिला चिकित्सालय मंझनपुर के ब्लड बैंक के बगल में दक्षिण की तरफ एक मोटर सायकिल हीरो डीलक्स 3 दिनों से अस्पताल परिसर में खड़ी हैं बाइक का वारिस कोई नहीं दिखाई पड़ रहा है बताया जाता

है कि जिला अस्पताल परिसर में खड़ी हीरो डीलक्स का नम्बर यूपी 96 एल 3554 है और यह बाइक 23 अगस्त से एक ही जगह पर लावारिस हालत में खड़ी है। अस्पताल के लोगों ने बताया कि मोटर सायकिल का नंबर जब ट्रेस किया गया तो जनपद चित्रकूट के मनोज कुमारी के नाम से पंजीकरण शो हो रहा है।

बाइक सवार भिड़े दूसरी बाइक से गम्भीर रूप से घायल

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के सयांरा मोड़ के पास स्थित पेट्रोल पंप से बाइक सवार युवक पेट्रोल भरवाकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंचते ही दूसरा बाइक सवार की टक्कर हो गयी बताया जाता है कि सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर ही ट्रेलर खड़ा था जिसे बाइक सवार देख नही पाए ।इस टक्कर में दोनों बाइक सवार घायल हो गए मौके पर पहुंची सरकारी एम्बुलेंस चालक घायलों को जिला अस्पताल ले गए है।

राज्य अध्यापक पुरस्कार एवं मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार अग्रिम आदेशों तक स्थगित

कौशाम्बी। जिला विद्यालय निरीक्षक ने अवगत कराया है कि शासन द्वारा वर्ष-2022 में राज्य अध्यापक पुरस्कार एवं मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार के चयन के लिए पूर्व निर्धारित नीति गाइड लाइन्स में संशोधन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है उन्होंने जनपद के राजकीय अशासकीय सहायता प्राप्त स्ववित्त पोषित एवं संस्कृत विद्यालयो में कार्यरत शिक्षकों को सूचित किया है कि शासन द्वारा राज्य अध्यापक पुरस्कार एवं मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार के चयन की कार्यवाही अग्रिम आदेशों तक स्थगित कर दी गयी हैं।

पोषण पाठशाला प्रशिक्षण का आयोजन

बच्चों के सही आहार के विषय में दिया गया प्रशिक्षण

जनपद के सभी ऑगनबाड़ी केन्द्रों पर वेबकास्ट के माध्यम से मुख्य सेविका एवं आगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दिया गया प्रशिक्षण

कौशाम्बी। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश के सभी ऑगनबाड़ी केन्द्रों पर वेबकास्ट के माध्यम से पोषण पाठशाला का आयोजन किया गया जनपद में एनआईसी के साथ ही सभी आगनबाड़ी केन्द्रों पर वेबकास्ट के माध्यम से आयोजित पोषण पाठशाला में विशेषज्ञ-डॉ0 रूपल दलाल दीपाली फरगड़े डॉ0 पियाली भट्टाचार्य एवं डॉ0 देवाजी पाटिल द्वारा बच्चों के सही खान-पान (ऊपरी आहार) की शुरूआत के विषय में डीपीओ सीडीपीओ मुख्य सेविका एवं आगनबाड़ी कार्यकत्रियों को विस्तृत प्रशिक्षण एवं जानकारी दी गयी जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेश गुप्ता ने बताया कि इस प्रशिक्षण के पश्चात सीडीपीओ मुख्य सेविका एवं आगनबाड़ी कार्यकत्री आमजन लाभार्थियों को बच्चों की सही खान-पान ऊपरी आहार के विषय में जानकारी देते हुए जागरूक करेंगी इस अवसर पर एनआईसी में मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

यमुना नदी का फिर बढ़ा जलस्तर, दर्जनों गांवों में बढ़ा बाढ़ का खतरा

कौशाम्बी। जिले में यमुना नदी में पानी फिर से बढ़ने लगा है। दर्जनों गांव बाढ़ की चपेट में कभी भी आ सकते हैं ।यमुना के किनारे बसे पिपरहटा गांव का बाढ़ के पानी से संपर्क टूट चुका है। चकपिनहा के रपटा के ऊपर से पानी जाने लगा है। यदि जलस्तर और बढ़ा तो लोगो से संपर्क यहां का भी टूट जाएगा। यमुना के उफान को देखते हुए बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लोग बोरिया अपनी गृहस्थी का समान समेट कर ऊपर आने लगे हैं। यमुना नदी के कौशांबी थाना क्षेत्र में बसे कोसम खिराज बड़का गढ़वा हिसामबाद और पुराने बेरौचा गांव में यमुना नदी का पानी घुस गया है यमुना नदी के बाढ़ के पानी से दर्जनों घर प्रभावित है यमुना नदी के बाढ़ की यदि यही रफ्तार रही तो 2 दिन के भीतर सैकड़ों परिवार प्रभावित हो सकता है इसी तरह पिपरी थाना क्षेत्र पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र और सराय अकिल थाना क्षेत्र के दर्जनों गांव यमुना नदी में बढ़े पानी से प्रभावित हैं। इसके पहले भी यमुना में बाढ़ के खतरे को देखते हुए डीएम और एसपी हेमराज मीणा ने अधिकारियों के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया था तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए थे।

सीडीएस के द्वारा सेना में अधिकारी पद के लिए सुरभि शुक्ला का हुआ चयन

अखंड भारत संदेश

ओसा कौशाम्बी। मंझनपुर तहसील के नगर पालिका परिषद मंझनपुर के ओसा गांव की सुरभि शुक्ला का संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा सीडीएस के द्वारा सेना में अधिकारी पद के लिए चयन किया गया है सेना में अधिकारी के पद पर चयन होने के बाद परिवार रिश्तेदार परिचितों में खुशी की लहर है। नगर पालिका परिषद मंझनपुर के ओसा गांव की सुरभि शुक्ला का यूपीएससी द्वारा कराई जाने वाली सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के माध्यम से भारतीय सेना में अधिकारी पद के लिए चयन हो गया है सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा यूपीएससी वर्ष में दो बार आयोजित करता है जिसमें एक लिखित परीक्षा के बाद अभ्यर्थी को एसएसबी साक्षात्कार के मुश्किल दौर से गुजरना पड़ता है साक्षात्कार में पास हो जाने के बाद मेडिकल टेस्ट में पास हो जाने के बाद आल इण्डिया मेरिट के आधार पर अभ्यर्थी भारतीय सेना के किसी अंग जल थल या वायु सेना में अधिकारी पद के लिए चयन होता है । सुरभि शुक्ला का इसके पूर्व दिल्ली पुलिस में सब इन्सपेक्टर के पद पर चयन हो गया था जिसके बाद अभी यूपीएससी द्वारा हाल ही में जारी किए गए सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा 2021 के रिजल्ट में ओसा गांव की सुरभि शुक्ला ने आफिसर ट्रेनिग अकादमी (महिला) के मेरिट लिस्ट में सातवा स्थान प्राप्त किया है । सुरभि शुक्ला के परिजनों ने बताया कि सुरभि शुक्ला का बचपन से ही सेना में शामिल होकर देश की सेवा करने का जज्बा था , जिसके लिए सुरभि शुक्ला ने अपनी ग्रैजुएशन की पढ़ाई प्रतिष्ठित कालेज मिरांडा हाउस दिल्ली के

सुरभि शुक्ला का इसके पूर्व दिल्ली पुलिस में सब इन्सपेक्टर के पद पर चयन हो गया था

दौरान एनसीसी सी प्रमाण पत्र में उच्च ग्रेडिंग प्राप्त किया था कई बार लिखित परीक्षा पास होने के बाद एसएसबी इण्टरविद मे न रिकमेन्ड होने के कारण सुरभि शुक्ला के रास्ते में थोड़ा निराशा जरूर आई थी , लेकिन अन्त में सुरभि शुक्ला के न हारने के जज्बे धैर्य और लगातार परिश्रम और प्रयास ने उन्हे अन्तिम रूप से सेना में अधिकारी बनने के सपने को साकार किया उल्लेखनीय है कि सुरभि शुक्ला के पिता एस के शुक्ला भी सीआईएसएफ मे इन्सपेक्टर पद पर कार्यरत हैं , जिसके कारण सुरभि शुक्ला को बचपन से ही यूनीफार्म सर्विस के माध्यम से देश की सेवा करने की प्रेरणा मिली । सुरभि शुक्ला की इस सफलता से गांव की अन्य बालिकाओं को निश्चित रूप से आगे बढ़कर ऐसी परीक्षा में शामिल होने की प्रेरणा मिलेगी एवं अभिभावक भी बेटियों को ऐसी सेवा के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रेरित कर पाएंगे । सुरभि शुक्ला ने सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में सफल होकर निश्चित रूप से अपने परिवार और गांव का मान बढ़ाया रिश्तेदार परिजनों के साथ साथ उनके जानने पहचानने वालों ने कहा कि उज्जवल भविष्य के लिए हम सभी सुरभि शुक्ला को शुभकामनाएं देते हैं।

जमीनी विवाद में चली लाठी कुल्हाड़ी तीन लहूलुहान

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के अंतर्गत म्योहर गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष के लोग आपस में भिड़ गए देखते देखते दोनों पक्षों के बीच लाठी कुल्हाड़ी निकल आई और जमकर लाठी कुल्हाड़ी चली इस हमले में दोनों पक्ष से 3 लोग लहूलुहान हैं घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है इस विवादित जमीन का न्यायालय में मुकदमा विचाराधीन है जिस पर थानेदार ने भी रोक लगाई है लेकिन उसके बाद भी एक पक्ष निर्माण कर रहा था जिस पर दूसरा पक्ष निर्माण रोकने पहुंचा निर्माण रोकने को लेकर वाद विवाद शुरू हुआ और देखते-देखते दोनों पक्ष से लाठी कुल्हाड़ी चलने लगी मौके पर मौजूद लोगों ने बीच- बचाव किया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने ले गयी घटना बुधवार की देर शाम की है(जानकारी के मुताबिक म्योहर गांव निवासी मंजीत सिंह पुत्र जगदीश सिंह और पड़ोस के ही अवधेश तिवारी वा कमल नारायण पुत्र सियाराम से काफी दिनों से रास्ते में हो रहे निर्माण के लिए विवाद चला आ रहा है। मंजीत सिंह ने थाना करारी में इस विवाद से संबंधित प्रार्थना पत्र दिया था जिसके तहत पुलिस प्रशासन में बीच में ही काम रुकवा दिया था, लेकिन बार-बार द्वितीय पक्ष अवधेश पुत्र सियाराम निर्माण कार्य कर रहे थे। प्रथम पक्ष मंजीत सिंह का कहना था कि रास्ते को छोड़कर जितनी जमीन उनकी है उस पर वह निर्माण कार्य कर लें और जो विवादित जमीन है उसमें निर्माण कार्य ना करें जब तक न्यायालय से निर्णय नहीं हो जाता है, इसके बावजूद द्वितीय पक्ष निर्माण कार्य करने लगे इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में पहले वाद विवाद शुरू हुआ उसके बाद कुल्हाड़ी लाठी से वार शुरू हो गया हमले में संजीत सिंह पुत्र जगदीश, मंजीत सिंह पुत्र जगदीश सिंह और मीकू पुत्र अवधेश तिवारी घायल हो गए।

कोखराज क्षेत्र में फिर मिला क्षत-विक्षत शव

पहले भी मिल चुके हैं कई शव जिनकी नहीं हो सकी शिनाख्त

कोखराज कौशांबी। कोखराज क्षेत्र के हावड़ा दिल्ली रेल लाइन पर एक अज्ञात शव मिला है सुबह ग्रामीणों ने रेल लाइन के पास क्षति विक्षत शव पड़ा देखा तो मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दिया है सूचना पाकर घटनास्थल पर पुलिस पहुंची है तमाम प्रयास के बाद भी मृतक के शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के मूरतगंज पुलिस चौकी अंतर्गत हाबड़ा दिल्ली रेल लाइन के पास एक अज्ञात व्यक्ति की क्षति विक्षत लाश मिली है मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष बताई जाती है रेल लाइन पर शव पड़े होने की जानकारी मिलते ही मौके पर आसपास के ग्रामीणों का मजमा लग गया सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय चौकी पुलिस पहुंची है और मृतक के शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया है काफी प्रयास के बाद भी मृतक के शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है मृतक कहां का है रेलवे लाइन तक कैसे पहुंचा यह तमाम सवाल अनुत्तरित रह गए हैं इसके पहले भी कोखराज क्षेत्र के रेल लाइन पर लावारिस लाश मिल चुकी हैं जिनकी शिनाख्त पुलिस नहीं कर सकी है।

स्वर्ण व्यवसाई की दुकान से लाखों की चोरी

कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के चंदवारी मोड़ पर सोने चांदी की एक दुकान में बीती रात चोर लाखों के सोने चांदी के सामान और नकदी उठा ले गए हैं दुकान मालिक ने घटना की सूचना पुलिस को सुबह दी है। कोखराज थाना क्षेत्र के मूरतगंज पुलिस चौकी अंतर्गत चंदवारी मोड़ पर कमलाकांत वर्मा पुत्र जगत नारायण सोनी ने सोने चांदी की दुकान खोल रखी है बीती रात उनकी दुकान की अलमारी को तोड़कर लाखों रुपए के जेवरात चोर उठा ले गए हैं मामले की सूचना पुलिस को दी गई है लेकिन जिस तरह से चोरी की घटना बताई जा रही है संदिग्ध प्रतीत होती है दुकान में कहीं भी सेंधमारी नहीं है ताला नहीं टूटा है फिर बंद कमरे में रहस्यमय तरीके से कैसे चोरी हो गई है यदि ग्रामीणों की माने तो व्यवसाई किसी साजिश के तहत लोगों को फंसाने के उद्देश्य से चोरी का ड्रामा कर रहा है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्किन पिगमेंटेशन से छुटकारा पाने के लिए आजमाएं ये 5 घरेलू उपाय

चेहरे पर मौजूद झाइयां स्किन की खूबसूरती को कम करती हैं। महिलाएं इस समस्या से निपटने के लिए महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं, जो झाइयों को कम तो नहीं करते, बल्कि केमिकल्स से भरे होने के कारण स्किन और सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। पहले ये माना जाता था कि झाइयों की समस्या बढ़ती उम्र के साथ ही होती है लेकिन आजकल की भागदौड़ भरी जिदंगी, प्रदूषण और खानपान में पोषक तत्वों की कमी की वजह से झाइयों की समस्या कम उम्र में भी हो लगी है। ऐसे में कुछ घरेलू उपायों की मदद से इन्हें आसानी से कम किया जा सकता है। आइये जानते हैं कैसे कम करें इन झाइयों को।

आलू

आलू चेहरे की झाइयों को दूर करने में सबसे ज्यादा असरदार माना जाता है। आलू में कैटकोलेस एंजाइम होता है, जो मेलानिन बनाने वाली कोशिकाओं (मेलानोसाइट्स) को नियंत्रित करता है और चेहरे पर झाइयां होने से बचाता है। चेहरे पर आलू का इस्तेमाल करने के लिए एक आलू को छीलकर स्लाइस में काटें। अब आलू की स्लाइस को लेकर चेहरे पर 5 से 10 मिनट के लिए रगड़ें। 10 मिनट तक चेहरे पर आलू का रस लगा रहने दें। इसके बाद नॉर्मल पानी से चेहरे को वॉश करें।

बादाम

5 से 6 बादाम को रात को दूध में भिगो दें। सुबह इनके छिलके हटा कर इन्हें पीस लें। इस पेस्ट में मलाई या गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इस पेस्ट को सूखने पर चेहरे को नॉर्मल पानी से वॉश कर लें। ये उपाय हफ्ते में एक बार किया जा सकता है। बादाम झाइयां हटाने के साथ स्किन को निखारने में भी मदद करेंगें।

मसूर दाल

मसूर दाल का पेस्ट बनाने के लिए दाल को रातभर के लिए पानी या दूध में भिगो दें। अब ग्राइंडर की मदद से इस दाल का पेस्ट बनाएं। अब एक चम्मच मसूर दाल का पेस्ट, शहद, दही, नींबू का रस और दूध लें। इन सब को कटोरी में लेकर मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को हाथ की सहायता से चेहरे पर लगाएं। 15 से 20 मिनट बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। इसको हफ्ते में 1 से 2 बार लगाया जा सकता है।

तुलसी

तुलसी सेहत और त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होती है। झाइयों पर इसका इस्तेमाल करने के लिए तुलसी की 10 से 15 पत्तियों को लेकर पीस लें। अब इसमें नींबू का रस मिलाकर मिश्रण तैयार करें। इस मिश्रण को प्रभावित एरिया पर ही लगाएं। इस मिश्रण को 15 से 20 मिनट के बाद नॉर्मल पानी से धो लें। तुलसी झाइयां हटाने के साथ पिंपल्स की समस्या को भी दूर करने में मददगार है।

जीरा

भारतीय घरों में जीरे का इस्तेमाल लगभग हर किचन में किया जाता है। जीरा खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ चेहरे की झाइयों को कम करने में भी मददगार है। जीरे का चेहरे पर इस्तेमाल करने के लिए एक कप पानी को उबाल लें। इस पानी में एक चम्मच जीरा डालें। दोनों को 3 से 5 मिनट के लिए अच्छे से उबलने दें।

प्राण बीज बोने वाले की भी फिक्र करें

हिन्दी के अपने वक्त के महत्वपूर्ण कवियों में से एक रामकुमार वर्मा ने कभी देश के किसानों को सम्बोधित अपनी 'हे ग्राम देवता! नमस्कार!' शीर्षक कविता में उन्हें तिल-तिल कर प्राण बीज बोने वाले ग्राम देवता बताते और अपनी झोपड़ी झुकाकर राज-द्वार ऊंचे करने का श्रेय देते हुए लिखा था = तुम जन मन के अधिनायक हो तुम हंसो कि फूले-फले देश/ आओ, सिंहासन पर बैठो यह राज्य तुम्हारा है अशेष !लेकिन आज जब देश आजादी का अमृतकाल मना रहा है, ये अहर्निश कड़ी मेहनत करने वाले जन मन के अधिनायक आजादी के वक्त के विपन्न देश को पहले अपनी विशाल आबादी का पेट भरने में आत्मनिर्भर, फिर खाद्यान्न-निर्यात में सक्षम बनाने के सहज श्रेय से भी वंचित हुए जा रहे हैं, क्योंकि 'न्यू इंडिया' के हसीन सपनों में खोये सत्ताधीशों को इस राष्ट्रीय उपलब्धि के लिए उनके प्रति तनिक भी कृतज्ञता-प्रकाश गवारा नहीं है !प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अर्सा पहले कभी किसी प्रसंग में कहा जरूर था कि किसानों ने कड़ी मेहनत करके देश के खाद्य गोदाम न भरे होते तो सरकार के लिए उक्त अस्सी करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन देना कतई संभव न होता, लेकिन अब लगता है कि वह भी उनका जुबानी जमा खर्च भर ही था। उसके फौरन बाद उनकी सरकार ने अमृत महोत्सव वर्ष में ही अनाजों पर कर लगाने का अभूतपूर्व कदम उठाकर सिद्ध कर दिया कि वह किसानों की इस कामना के साथ कतई नहीं है कि देश के खेत इतनी सुनहरी फसलें उगलें कि कहीं कोई भी देशवासी भूखा न सोये और धन-धान्य से परिपूर्ण रहे। इसके उलट उसे वह कार्पोरेटी कहें या कृत्रिम अकाल काम्य, जिसमें गोदामों में भरे अनाजों की कीमत आसमान छूने लगती है और उनकी बिक्री से भरपूर मुनाफा कमाया जाता है !फिर वह इस बात के लिए ही किसानों की शुक्रगुजार क्यों होने वाली कि उन्हीं की मेहनत से कोरोना महामारी की महाविपदा में भी कृषि क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था का सबसे मजबूत स्तम्भ बना रहा और उसने देश के आर्थिक विकास की नींव को खोखली नहीं होने दिया। भले ही उस दौर में भी उसने महाविपदा को अवसर बनाते हुए कृषि सुधारों के नाम पर उन पर तीन कार्पोरेट परस्त कृषि कानून थोप दिये थे, जिनसे निजात पाने के लिए उन्हें एक साल से ज्यादा लंबा आंदोलन चलाना पड़ा था।अमृतकाल की सच्ची देशभक्ति का तकाजा तो यही है कि स्वतंत्रता के बाद की सारी पीढ़ियों को बताया जाये कि पचहत्तर साल पहले हम आजाद हुए तो अनाजों की कमी के कारण देशवासियों के पापी पेटों का सवाल कितना विकट था, उसे हल करने के लिए किस तरह विदेशों से आयात पर निर्भर रहना पड़ता था, कैसे कई बार उसकी शर्मिन्दगियां झेलनी पड़ती थीं और किसानों ने हरित क्रांति के रास्ते हालात न बदले होते तो वे शर्मिन्दगियां जानें कब तक हमारा पीछा करती रहतीं !फिर भी मौजूदा सत्ताधीश पिछली सरकारों के प्रयासों के प्रति उदासीन हैं तो उसके कारण समझना कठिन नहीं है। दरअसल, वे यह सब बताने चलें तो उन्हें यह भी बताना पड़ेगा कि 1966 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने गेहूं की विभिन्न उन्नत किस्मों के 18000 टन बीज आयात करने की अनुमति देकर उस हरित क्रांति की नींव मजबूत की थी, जो बाद में देश के गेहूं उत्पादन में बड़ी छलांग का वायस बनी। बाद में इस सफलता को चावल, कपास, गन्ना, फलों एवं सब्जियों आदि के मामले में भी दोहराया गया !बात निकलेगी तो सत्ताधीशों को यह भी बताना ही पड़ेगा कि इस क्रांति के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास का तंत्र पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों पं. जवाहरलाल नेहरू और लाल बहादुर शास्त्री के वक्त से ही तैयार किया जा रहा था। बाद में इसके तहत दो मोर्चों पर एक साथ काम किया गया था = किसानों को प्रोत्साहन स्वरूप न्यूनतम समर्थन मूल्य देना और बड़ी मात्रा में खाद्यान्न का भंडारण सुनिश्चित कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिए कमी वाले इलाकों में वितरित कर लोगों को भूख से बचाना।

कहने की जरूरत नहीं कि अब तक 'सत्तर साल में कुछ न होने का ही प्रचार करते आये वर्तमान सत्ताधीशों के लिए यह सब बताना बेहद अप्रिय होगा। क्योंकि इससे उनके लिए बाद के वर्षों की उद्योगों की खातिर कृषि की बलि लेने वाली उन आर्थिक नीतियों का बचाव करना कठिन हो जायेगा, जिन्हें वे खुद भी पिछले आठ सालों से पालते-पोसते आ रहे हैं और जिनके कारण साल-दर-साल रिकॉर्ड अनाज उत्पादन के बावजूद किसानों की आय ठहर गई या कम होती गई है। इन नीतियों के चलते किसानों की आय दोगुनी करने का चुनावी वादा भी उनके किसी काम नहीं आया है, देश में बड़े पैमाने पर वर्ग असमानताएं पैदा हो गई हैं, सो अलग।

अभी तो सत्ताधीशों का रवैया ऐसा है कि आन्दोलनकारी किसानों से किये गये समझौते के आठ महीनों बाद फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की समस्याओं पर विचार के लिए समिति बनाते हैं तो भी उन्हें अपनी अच्छी नीयत या सदाशयता का विश्वास नहीं दिला पाते।

सम्पादकीय

सीधी भर्ती भी सही

निस्संदेह 21वीं सदी के भारत में वैश्विक मानकों के अनुरूप शिक्षा व प्रशासनिक व्यवस्था में विशेषज्ञों की दरकार है, जो आधी सदी पुरानी औपचारिक पात्रता के मापदंडों से मुक्त हों। लेकिन इसके साथ यह भी जरूरी है कि नई व्यवस्था धनबल, राजनीतिक प्रभाव व अन्य किसी दबाव से प्रभावित न हो। यह जानते हुए कि देश में बड़ी आर्थिक विषमता है और सदियों से वंचित समाज को संविधान ने आगे बढ़ने के लिये विशेष अवसर दिये हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि संवैधानिक मापदंडों के अनुरूप कानून सम्मत रोजगार चयन प्रक्रिया में चतुर-चालाक व धनबल के उपासक छिद्र तलाश लेते हैं। पारदर्शिता के मानकों व चयन प्रक्रिया को धता बता कर अकसर चयन परीक्षाओं के पेपर आउट होने से लेकर साक्षात्कार में धांधली के मामले उजागर होते रहते हैं। बहरहाल, पिछले दिनों दो फैसलों ने सबका ध्यान खींचा। पहला यह कि देश के विश्वविद्यालयों व उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों के स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में विदेशी छात्रों के नामांकन के लिये 25 फीसदी अतिरिक्त सीटें सृजित करने की अनुमति दी जायेगी। साथ ही विदेशी विद्यार्थियों को भारत में दाखिले के लिये प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होगी। पहली बार सुनने में अच्छा लगता है कि फैसला देश की वैश्विक स्तर पर शैक्षिक प्रतिष्ठा बढ़ायेगा। दुर्लभ विदेशी मुद्रा का अर्जन होगा। लेकिन बिना परीक्षा के प्रवेश देने के नुकसान भी बने रहेंगे। इससे उन धनाढ्य विदेशी परिवारों के बच्चों को डिग्री लेने का सुगम अवसर मिल जायेगा, जो अपने देश में इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं ले पाते। निस्संदेह, इससे डिग्री की गुणवत्ता व शैक्षिक परिदृश्य पर प्रभाव पड़ सकता है। वहीं दूसरे फैसले में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की हाल ही में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय व उच्च शिक्षण संस्थान शीघ्र ही स्थापित विशेषज्ञों को एक नई श्रेणी के तहत फैकल्टी मेंबर के रूप में नियुक्त कर सकेंगे जिनके लिये औपचारिक अकादमिक पात्रता एवं प्रकाशन से जुड़ी शर्त अनिवार्य नहीं होगी !दरअसल, नीति-नियंताओं का मानना है कि पेशेवर प्रोफेसरों वाली इस योजना में इंजीनियरिंग, विज्ञान, मीडिया, साहित्य, उद्यमित्ता, सामाजिक विज्ञान, ललित कला,लोक सेवा व सशस्त्र बल आदि क्षेत्रों के विशेषज्ञ इस श्रेणी में नियुक्ति पा सकेंगे। विषय में विशेषज्ञता व लंबा अनुभव वरिष्ठ स्तर पर होना अनिवार्य होगा। साथ ही जरूरी है कि दायित्व निभाने का कौशल भी उनके पास हो। ये नियुक्तियां तीन श्रेणियों में होंगी। वहीं 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' की संख्या मंजूर पदों से दस फीसदी से अधिक नहीं होगी। साथ ही वित्त पोषण उद्योग, उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा किया जायेगा, वहीं मानद आधार पर तीसरी श्रेणी में नियुक्ति होगी। ये नियुक्तियां विश्वविद्यालय व कालेजों के मंजूर पदों से इतर होंगी। निस्संदेह कई मौलिक प्रतिभाएं विषमताओं अथवा पेशेगत बाध्यताओं के चलते औपचारिक अकादमिक पात्रता हासिल नहीं कर पातीं लेकिन प्रतिभा बेजोड़ होती है। दूसरे हमारे शिक्षण संस्थानों व विश्वविद्यालयों की एक दिक्कत यह भी रही है कि वे शिक्षा व शोध को देश की व्यावहारिक जरूरतों से नहीं जोड़ पाये हैं। ऐसे में विभिन्न क्षेत्रों के व्यावहारिक अनुभव से छात्र लाभान्वित हो सकेंगे। लेकिन यक्ष प्रश्न है कि इसके मूल में सत्ता का खेल न हो। केंद्रीय सत्ता द्वारा अपनी विचारधारा व मातृ संस्थाओं के लोगों की उच्च शिक्षण संस्थानों व विश्वविद्यालयों में भर्ती के शार्टकट तरीके अपनाने के आरोप विपक्षी दल लगाते रहे हैं। दरअसल, इससे पहले वर्ष 2018 में केंद्र सरकार ने लेटरल एंट्री के जरिये सरकारी विभागों में संयुक्त सचिव स्तर पर सीधी भर्ती की थी। 2019 में अधिकारियों को पदों पर तैनात भी कर दिया गया।

क्षमादान और सत्ता-समाज की खामोशी पर प्रश्न

पंद्रह अगस्त के दिन जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भावुक होकर लालकिले से नारी-अस्मिता की रक्षा की बात कर रहे थे, प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात में नारी-सम्मान से संबंधित ऐसा कुछ घट रहा था, जिससे मनुष्यता शर्मसार होती है। हां, आज से बीस साल पहले उस दिन भी मनुष्यता शर्मसार हुई थी जब एक गर्भवती महिला के साथ बारह दरिंदों ने सामूहिक बलात्कार किया था, उसकी तीन वर्ष की बेटी को मार दिया था, और उसके परिवार के सात व्यक्तियों को मौत के घाट उतार दिया था। मैं बिल्किस बानो की बात कर रहा हूं। उसके साथ नृशंस व्यवहार करने वालों को अपराधी पाया गया और कानून के अनुसार सज़ा भी दी गयी। जिस 'ऐसा कुछ' घटने की बात से यह बात शुरू हुई है, वह उन सब अपराधियों को क्षमा-दान देने की है। 14 साल की सज़ा भुगतने के बाद उन सब अपराधियों को सरकारी निर्णय के अनुसार जेल से रिहा कर दिया गया। बात यहीं तक सीमित नहीं है। मनुष्यता के शर्मसार होने की घटना और आगे बढ़ती है। वे ग्यारह अपराधी जब जेल से बाहर आये तो उनका स्वागत-अभिनंदन किया गया!

बात यहां खत्म नहीं होती है। इसके आगे जो घटा, या जो नहीं घटा, वह भी कम शर्मसार करने वाली बात नहीं है। होना तो यह चाहिए था कि गुजरात सरकार की इस कार्रवाई पर देश स्वयं को शर्मसार महसूस करता, पर ऐसा कुछ हुआ नहीं। न किसी को शर्म आयी, न किसी को गुस्सा आया! हां, सरकार की इस कार्रवाई पर थोड़ी-बहुत सुगबुगाहट तो हुई, पर यह बात अपने आप में कम शर्मनाक नहीं है कि इस क्षमा-दान और अपराधियों के साथ नायकों जैसा व्यवहार होने का विरोध करने वाली आवाज़ें कब उठीं, और कब कहीं खो गयीं, पता ही नहीं चला!

ऐसा नहीं है कि अपराधियों को पहले कभी क्षमा-दान नहीं मिला। ऐसी व्यवस्था है कि जेल में अपराधियों के व्यवहार, अपराध की गंभीरता आदि को देखकर चौदह साल की सज़ा भुगतने के बाद उन्हें क्षमा-दान मिल सकता है, पर न्यायालय ने यह भी कहा हुआ है कि बलात्कारियों और जघन्य हत्या करने वालों को इस व्यवस्था के अंतर्गत सज़ा में रियायत नहीं मिलनी चाहिए। संभव है, इस मामले में पीड़ित पक्ष फिर से न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाये और शायद अपराधियों को फिर से जेल भेज दिया जाये, पर यहां बात समाज के उस व्यवहार की होनी चाहिए, उस लगभग चुप्पी की होनी चाहिए जो वस्तुत: बहरा कर देने वाली है।

अपराधियों को क्षमा-दान का समाचार जब बिल्किस बानो को मिला तो एक बार फिर वह खतरनाक डर के उसी माहौल से घिर गयी थी जो बाईस साल पहले उसने अपने गांव के पास के खेतों में झेला था। वे सबके सब अपराधी अब फिर से मुक्त थे जिन्हें एक-एक करके उसने अदालत में पहचाना था। मुकदमा चलने के दौरान न जाने कितनी बार बिल्किस बानो और उनके पति को मुकदमा वापस लेने के लिए धमकियां मिली थीं। वे सारी धमकियां उन्हें अब फिर से याद आने लगी थीं। और बलात्कार वाला वह अमानुषिक कृत्य भला कोई कैसे भूल सकता है। फिर भी वह कोशिश कर रही थी उसे भुलाकर एक नयी ज़िंदगी जीने की। अपराधियों के क्षमा-दान ने एक बार फिर वह दृश्य आंखों के सामने ला दिया था। अब फिर बिल्किस का परिवार एक खतरनाक डर में जीने के लिए बाध्य है। कैसे जियेगा, पता नहीं !यहां हमारे समाज के व्यवहार का सवाल भी उठता है। इस संदर्भ में जो थोड़ी-बहुत सुगबुगाहट हुई उसमें ऐसे स्वरों का उठना भी कम डरावना नहीं है जो एक तरह से अपराधियों के पक्ष में जाते दिखते हैं। बीस साल पहले बिल्किस बानो के साथ जो हुआ, उसकी भर्त्सना तो सब करते हैं, पर जब इस भर्त्सना के साथ 'लेकिन' लगा दिया जाता है तो कहीं न कहीं नीयत में खोट दिखाई देने लगता है। 'लेकिन' लगाकर कुछ लोगों को यह कहना भी ज़रूरी लगता है कि बिल्किस के साथ जो घटा उसकी पृष्ठभूमि में कहीं गोधरा में रेलगाड़ी में आग लगाये जाने की घटना भी है। गोधरा का यह कांड भी किसी दृष्टि से क्षम्य नहीं कहा जा सकता। रेलगाड़ी के उस डिब्बे में जो कुछ हुआ, वह भी उतना ही जघन्य अपराध था जितना बिल्किस के साथ हुआ अत्याचार। उसके अपराधियों को भी उपयुक्त सज़ा मिलनी ही चाहिए। लेकिन गोधरा कांड के नाम पर बिल्किस बानो पर हुए अत्याचार की गंभीरता और वीभत्सता को कम समझने की मानसिकता भी किसी अराध से कम नहीं है। भर्त्सना इस अपराध की भी होनी चाहिए।

होना तो यह चाहिए था कि बिल्किस बानो के परिवार के साथ वहशियाना हरकत करने वालों की माफी और उनके स्वागत-अभिनंदन की भी तीव्रता से भर्त्सना होती। भर्त्सना उस आपराधिक चुप्पी की भी होनी चाहिए जो इस कांड के संदर्भ में पसर रही है !जिन ग्यारह व्यक्तियों को क्षमा-दान मिला है, वे घोषित अपराधी हैं। न्यायालय ने उन्हें इस अपराध की सज़ा भी दी है। शर्म आनी चाहिए थी उन्हें जिन्होंने अपराधियों का तिलक लगाकर स्वागत किया। यह कृत्य भी अपने आप में मूल अपराध से कम नहीं है। लेकिन इसकी सज़ा शायद अदालत नहीं दे सकती। यह काम जागृत और विवेकशील समाज को करना होता है। सामाजिक स्तर पर यह आवाज़ उठनी ही चाहिए कि ऐसा अपराध करने वालों की, चुप रहकर ग़लत को देखते रहने वालों की भी, सामाजिक स्तर पर भर्त्सना होनी चाहिए।

होना तो यह भी चाहिए था कि लालकिले से नारी-शक्ति को रेखांकित करने वाले प्रधानमंत्री इस पूरे कांड का संज्ञान लेते और गुजरात सरकार और देश की इस मामले में चुप्पी पर टिप्पणी करते। यह लालकिले से किये गये ऐलान का अगला तार्किक कदम होता। इसी तार्किकता का तकाज़ा यह भी था कि बिल्किस कांड में क्षमा-दान पर लगे सवालिया निशानों के उत्तरों की तलाश की कोई कोशिश होती भी दिखाई देती। पर, दुर्भाग्य से, ऐसा कुछ होता नहीं दिख रहा !सवाल किसी बिल्किस के अपराधियों को सज़ा देने का ही नहीं है, सवाल ऐसा वातावरण बनाने का भी है जिसमें ऐसा कोई अपराध करने वालों को डर लगे। किसी बिल्किस को डर-डर कर न जीना पड़े। बिल्किस के अपराधियों ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है कि उन्हें अपने किये का कोई पछतावा है, और उन अपराधियों का स्वागत-अभिनंदन करने वाले भी यही संकेत दे रहे हैं कि वे उनके अपराधों को क्षम्य मानते हैं। सच कहें तो अपराध ही नहीं मानते! समाज की चुप्पी इस आपराधिक प्रवृत्ति का समर्थन करती दिख रही है।

लक्ष्मण एशिया कप के लिए टीम इंडिया के अंतरिम कोच नियुक्त

नई दिल्ली। मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को आगामी एशिया कप के लिए भारतीय टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। द्रविड़ अभी पृथकवास पर हैं और परीक्षण नेगेटिव आने पर ही वह टीम से जुड़ेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'एनसीए के क्रिकेट प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले आगामी एसीसी एशिया कप में भारतीय टीम के अंतरिम मुख्य कोच होंगे।' उन्होंने कहा, 'जिम्बाब्वे में एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम के साथ यात्रा करने वाले लक्ष्मण राहुल द्रविड़ की अनुपस्थिति में टीम की तैयारियों पर निगरानी रखेंगे। द्रविड़ को टीम के यूएई रवाना होने से पहले कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाया गया था। द्रविड़ परीक्षण नेगेटिव आने और बीसीसीआई की चिकित्सा टीम से मंजूरी मिलने के बाद टीम से जुड़ेंगे।' लक्ष्मण उपकप्तान केएल राहुल, दीपक हुड्डा और आवेश खान के साथ दुबई में टीम से जुड़े हैं। यह सभी जिंबाब्वे में तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला पूरी होने के बाद दुबई पहुंचे हैं।

टेनिस सनसनी एंजेलिक कर्बर हुई गर्भवती, यूएस ओपन में नहीं खेलेंगी

बर्लिन। 3 बार की ग्रैंड स्लैम चैम्पियन और पूर्व विश्व नंबर 2 एंजेलिक कर्बर ने घोषणा की कि वह गर्भवती हैं और इस सीजन के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन को मिस करेंगी। 34 साल की कर्बर आखिरी बार विंबलडन में खेली थीं, जहां वह तीसरे दौर में हार गई थीं। जर्मन खिलाड़ी पूरी तरह से अपने करियर को आगे बढ़ाने की योजना पर भी काम कर रही हैं। ट्विटर पर उन्होंने लिखा- मैं वास्तव में यूएस ओपन खेलना चाहती थी। आखिरकार मैंने फैसला किया कि एक के खिलाफ दो उचित प्रतिस्पर्धा नहीं है। अगले महीनों के लिए, मैं एक टेनिस खिलाड़ी के रूप में दुनिया की यात्रा करने से ब्रेक लूंगी। न्यूयॉर्क अक्सर मेरे करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ रहा है और ऐसा लगता है कि यह साल किसी तरह से अलग नहीं होगा! 2011 में करियर शुरू कर 2016 में खिताब जीतकर टेनिस स्टार नंबर वन प्लेयर बनी थीं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2016 और विंबलडन 2018 भी अपने नाम किया था। फिलहाल चैम्पियन केर्बर ने कहा कि वह अपने नए अध्याय को लेकर उत्साहित हैं। एक पेशेवर एथलीट होने के नाते मेरे पास सब कुछ है, लेकिन मैं जिस नए रास्ते पर जा रही हूं, उसके लिए मैं आभारी हूं। केर्बर इस समय दुनिया में 52वें नंबर पर हैं। 2016 में केर्बर 20 हफ्तों तक शीर्ष स्थान पर रही थीं। वह अब तक 14वां खिताब जीत चुकी हैं।

मनु गंडास और एन थंगाराजा ने संयुक्त बढ़त हासिल की

चेन्नई । गुरूग्राम के मनु गंडास और श्रीलंका के एन थांगाराजा ने यहां चेन्नई ओपन गोल्फ चैम्पियनशिप के दूसरे दिन 11 अंडर 133 के कुल स्कोर से संयुक्त बढ़त हासिल की। गंडास ने 40 लाख रुपए की पुरस्कार राशि के टूर्नामेंट में दूसरे दिन सात अंडर 65 का कार्ड खेला जबकि थंगाराजा ने 5 अंडर 67 का स्कोर बनाया।बेंगलुरू के खालिन जोशी (68) नौ अंडर 135 के कुल स्कोर से संयुक्त तीसरे स्थान पर चल रहे हैं। कट दो ओवर 146 के स्कोर का रहा जिससे 57 पेशेवर गोल्फरों ने पुरस्कार राशि के राउंड के लिए क्वालीफाई किया।

एशिया कप 2022 से पहले विराट कोहली ने बाबर आजम से की मुलाकात

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम 27 अगस्त से शुरू होने वाले एशिया कप 2022 के लिए दुबई पहुंच चुकी है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया 28 अगस्त को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। सभी की निगाहें इस मैच पर होंगी। हालांकि इस महा मुकाबले से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मौजूदा कप्तान बाबर आजम ने एक दूसरे से मुलाकात की जिसकी एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। भारत एशिया कप के इतिहास में सबसे सफल टीम है और दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन भी है। पाकिस्तान ने आखिरी बार 2012 में टूर्नामेंट जीता था।

बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो अपलोड किया है। इसमें हार्दिक पांड्या, युजवेंद्र चहल को राशिद खान और मोहम्मद नबी के साथ बातचीत करते देखा जा सकता है। इस दौरान विराट कोहली पर ध्यान केंद्रित किया गया था क्योंकि वह पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम से मिले थे। हाल के फॉर्म के अनुसार बाबर दुनिया के शीर्ष बल्लेबाजों में से एक है जबकि कोहली लम्बे समय से फॉर्म में वापसी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ भिड़ंत से पहले कोहली ने अपने मौजूदा फॉर्म की तुलना 2014 में इंग्लैंड के दौरे पर अपने संघर्ष के दिनों से की थी। कोहली ने शो में कहा था कि इंग्लैंड में उनकी विफलताओं का एक पैटर्न था जबकि रनों की मौजूदा कमी चिंता का विषय नहीं है क्योंकि उन्हें लगता है कि वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि इंग्लैंड में जो हुआ वह एक पैटर्न था, इसलिए कुछ ऐसा था जिस पर मैं काम कर सकता था और कुछ ऐसा जिसे मुझे दूर करना था।

उन्होंने आगे कहा, अभी जैसा कि आपने ठीक ही उल्लेख किया है, ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे आप यह कह सकते हैं कि समस्या यहां हो रही है। इसलिए मेरे लिए वास्तव में प्रक्रिया करना एक आसान बात है क्योंकि मुझे पता है कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं और कई बार जब मैं उस लय को वापस महसूस करना शुरू करता हूं, तो मुझे पता चलता है कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। मेरे लिए यह कोई मुद्दा नहीं था, जो इंग्लैंड में नहीं था; मुझे ऐसा नहीं लगता था कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था। इसलिए मुझे एक चीज पर कड़ी मेहनत करनी पड़ी, जिसे बार-बार उजागर किया जा सकता था; अभी यह ऐसा नहीं है।

दलीप ट्राफी : पश्चिम क्षेत्र की अगुआई करेंगे रहाणे, करण शर्मा संभालेंगे मध्य की कमान

नई दिल्ली। फिटनेस हासिल करने वाले पूर्व भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे 8 से 25 सितंबर तक तमिलनाडु में आयोजित होने वाली दलीप ट्राफी में पश्चिम क्षेत्र की टीम का नेतृत्व करेंगे। रणजी ट्राफी के फाइनल में पहुंची मुंबई की टीम के सदस्यों को टीम में चुना गया है जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी पृथ्वी साव और शारदुल ठाकुर तथा उभरते हुए स्टार जैसे यशस्वी जायसवाल, शम्स मुलानी, हार्दिक तामारे और तनुष कोटियान शामिल हैं।

सौराष्ट्र से अनुभवी जयदेव उनादकट के अलावा हाल में राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने वाले राहुल त्रिपाठी को भी पश्चिम क्षेत्र की टीम में जगह मिली है। मध्य क्षेत्र ने भी अपनी टीम घोषित की है और मध्यप्रदेश की रणजी ट्राफी विजेता टीम के ज्यादातर स्टार खिलाड़ी टीम में शामिल हैं जिसमें यश दूबे, शुभमन शर्मा, कुमार कार्तिकेय के साथ आल राउंडर वेकंटेश अय्यर शामिल हैं।

टीमें इस प्रकार हैं:

पश्चिम क्षेत्र : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), पृथ्वी साव (मुंबई), यशस्वी जायसवाल (मुंबई), श्रेयस अय्यर (मुंबई), हार्दिक तामोर (विकेटकीपर, मुंबई), शम्स मुलानी (मुंबई), तनुश कोटियन (मुंबई), शारदुल ठाकुर (मुंबई), राहुल त्रिपाठी (महाराष्ट्र), सत्यजीत बच्चाव (महाराष्ट्र), हेत पटेल (गुजरात), चिंतन गाजा (गुजरात), जयदेव उनादकट (सौराष्ट्र), चिराग जानी (सौराष्ट्र), अतित सेठ (बड़ौदा)

मध्य क्षेत्र : करण शर्मा (कप्तान), शुभम शर्मा (उप कप्तान), हिमांशु मंत्री (विकेटकीपर), यश दूबे, प्रियम गर्ग, रिंकू सिंह, अशोक मनेरिया, अक्षय वाडकर (विकेटकीपर), गौरव यादव, वेंकटेश अय्यर, दीपक धोपोला, अनिकेत चौधरी, कुमार कार्तिकेय, आदित्य सर्वते और अंकित राजपूत।

बेंगलुरू एफसी का दावा, उनके खिलाड़ी के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी की गई

कोलकाता। बेंगलुरू एफसी ने आरोप लगाया है कि डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट में भारतीय वायु सेना के खिलाफ मैच के दौरान उनके एक खिलाड़ी के लिए नस्लीय टिप्पणी की गई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की इस शीर्ष टीम ने कहा कि उसने संबंधित अधिकारियों के सामने यह मामला रख दिया है। यह कथित घटना यहां किशोर भारती क्रीड़ांगन में घटी। बेंगलुरू एफसी ने कहा- बेंगलुरू एफसी जानता है कि यहां डूरंड कप के मैच के दौरान उनके एक खिलाड़ी के खिलाफ विरोधी टीम के खिलाड़ी ने नस्लीय टिप्पणी की। आईएसएल की इस पूर्व चैंपियन टीम ने कहा,'' हम इस संबंध में संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं। हमारा संदेश स्पष्ट है यहां भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है और फुटबॉल सभी के लिए है।

बेंगलुरू एफसी ने इस मैच में भारतीय वायु सेना को 4-0 से हराया और इस तरह से डूरंड कप में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। बेंगलुरू के लिए रॉय कृष्णा (नौवें मिनट), सुनील छेत्री (23वें मिनट), फैसल अली (71वें मिनट), और शिवा शक्ति (93वें मिनट) ने गोल किये।

शुभमन गिल भी चले काऊंटी की राह, इस टीम से खेलते आएंगे नजर

नई दिल्ली7 भारत के बल्लेबाज शुभमन गिल भी काऊंटी खेलने जा रहे हैं। शुभमन ग्लैमरगन के साथ खेलेंगे। इससे पहले भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा (ससेक्स), वाशिंगटन सुंदर (लंकाशायर), ऋणाल पांड्या, मोहम्मद सिराज (दोनों वार्विकशायर), उमेश यादव (मिडिलसेक्स), नवदीप सैनी (केंट) के लिए खेल रहे हैं। अब शुभमन रवि शास्त्री (1987-91) और सौरव गांगुली (2005) के बाद काउंटी चैंपियनशिप में ग्लैमरगन के लिए खेलने वाले तीसरे भारतीय होंगे।

भारतीय क्रिकेटर शुभमन ने वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया था। वेस्टइंडीज में उन्होंने जहां 102.50 के औसत से 205 रन बनाए और तो जिम्बाब्वे के खिलाफ 122.50 के औसत से 245 रन। गिल के पास 11 टेस्ट मैच खेलने का अनुभव है जिसमें उन्होंने 30.47 की औसत से 579 रन बनाए हैं। उनका आखिरी मैच जुलाई में बर्मिंघम के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ खेला था जिसमें उन्होंने 17 और 4 रन बनाए थे। वह भारत के घरेलू टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी में पंजाब के लिए 12 प्रथम श्रेणी मैच खेलते हुए 65.33 की औसत से 1176 रन बना चुके हैं। ग्लैमरगन की बात की जाए तो वह इस समय डिविजन टू टेबल में 10 मैचों में 5 जीत के साथ तीसरे स्थान पर है। उनके पास अभी भी चार और मैच बाकी हैं और वे कार्डिफ में 5 सितंबर को वोस्टरशायर के खिलाफ सीजन फिर से शुरू करेंगे। शुभमन को मौका मिलने की पूरी संभावना है क्योंकि इस क्लब से कॉलिन इनग्राम सीपीएल के लिए तो मार्नस लाबुस्चगने और माइकल नेसर ऑस्ट्रेलिया के लिए नैशनल ड्यूटी पर होंगे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रियांक पांचाल करेंगे भारत 'ए' ही अगुवाई

नई दिल्ली। गुजरात के सलामी बल्लेबाज प्रियांक पांचाल को न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ इस महीने के आखिर में शुरू हो रहे तीन 4 दिवसीय मैचों के लिए 16 सदस्यीय भारत 'ए' टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। पांचाल के अलावा टीम में रुतुराज गायकवाड़, कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल हैं। तेज गेंदबाज उमरान मलिक को भी टीम में शामिल किया गया है।

चयनकर्ताओं ने घरेलू सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों पर भी गौर किया है तथा बंगाल के बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन, मध्यप्रदेश को रणजी ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले रजत पाटीदार और मुंबई के सरफराज खान जैसे खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है। टीम में युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा, मध्यम गति के गेंदबाज मुकेश कुमार और यश दयाल जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं जिन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है।

बेंगलुरु का एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पहले और तीसरेचार दिवसीय मैच की मेजबानी करेगा जबकि दूसरा मैच हुबली के राजनगर स्टेडियम में खेला जाएगा। चेन्नई का एम ए चिदंबरम स्टेडियम तीनों एकदिवसीय मैच की मेजबानी करेगा। एकदिवसीय मैचों के लिए टीम की घोषणा बाद में की जाएगी।

भारत 'ए' टीम : प्रियांक पांचाल (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, रुतुराज गायकवाड़, रजत पाटीदार, सरफराज खान, तिलक वर्मा, केएस भरत (विकेटकीपर), उपेंद्र यादव (विकेटकीपर), कुलदीप यादव, सौरभ कुमार, राहुल चाहर, प्रसिद्ध कृष्णा, उमरान मलिक, मुकेश कुमार, यश दयाल, अर्जन नागवासवाला।

जेरेमी वजन बढ़ाएंगे, ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिए 73 किग्रा में इसे देंगे चुनौती

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता जेरेमी लालरिनुंगा और अचिंता शेयुली पेरिस ओलंपिक के लिये दाव पर लगे 73 किग्रा के एकमात्र स्थान के लिए एक दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश करेंगे क्योंकि मिजोरम के भारोत्तोलक का 67 किग्रा वर्ग 2024 खेलों की सूची में शामिल नहीं है। अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) ने पेरिस ओलंपिक से 67 किग्रा वजन वर्ग को हटा दिया है जिसमें जेरेमी ने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था जिससे यह भारोत्तोलक अब 73 किग्रा वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेगा।

शेयुली ने 73 किग्रा वजन वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व किया था जो राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी और मौजूदा राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन हैं। पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफिकेशन स्थान पक्का करने के लिए अब दोनों के बीच कड़ी टक्कर होगी क्योंकि एक वजन वर्ग में प्रत्येक देश से एक ही भारोत्तोलक को अनुमति दी जा सकती है। जेरेमी इस समय साढ़े तीन हफ्ते के लिए अमेरिका के सेंट लुई में 'स्ट्रेंथ एवं कंडिशनिंग ट्रेनिंग' शिविर में हैं, उन्होंने कहा, 'मैं अपना वजन 73 किग्रा तक बढ़ाऊंगा।'

उन्होंने कहा, 'मेरा सामान्य वजन 65 किग्रा है। इसलिए अपने शरीर का वजन बढ़ाना मुश्किल होगा।' हालांकि यह पहली बार नहीं है जब जेरेमी को वजन बढ़ाना पड़ेगा। 19 साल के इस भारोत्तोलक ने ब्यूनर्स आयर्स में 62 किग्रा वर्ग में 2018 युवा ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद वह आईडब्ल्यूएफ द्वारा तब लाए गए नए ओलंपिक वजन वर्ग में हिस्सा लेने के लिए 67 किग्रा में खेलने लगे। हालांकि उन्हें पिछले दो वर्षों में वजन बढ़ाने में काफी मुश्किल हुई है।

उन्होंने कहा, 'मेरा वजन बढ़ नहीं रहा है। मैं 2019 से वजन बढ़ाने की कोशिश कर रहा हूं कि इसे 70 किग्रा तक पहुंचा लूं। मेरी खुराक और 'सप्लीमेंट' बदल जायेंगे। ट्रेनिंग भी थोड़ी अलग होगी। उन्होंने कहा, 'एशियाई खेल और विश्व चैम्पियनशिप में 67 किग्रा वर्ग शामिल है लेकिन लक्ष्य पेरिस ओलंपिक है।'मुख्य कोच विजय शर्मा ने कहा कि दोनों भारोत्तोलक एक दूसरे को बेहतर करने के लिए प्रेरित करेंगे। शर्मा ने कहा, 'यह अच्छा है कि जेरेमी और अचिंता एक ही वजन वर्ग में होंगे। दोनों भारोत्तोलकों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होगी, वरना वे चीजों को हल्के में ले सकते थे।'

एमएलसी के. कविता ने निकहत ज़रीन से उनके आवास पर की मुलाकात, उपलब्धियों के लिए दी बधाई

हैदराबाद। हैदराबाद विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के. कविता ने राष्ट्रमंडल चैंपियन निकहत जरीन से उनके आवास पर मुलाकात की और बॉक्सर को हाल ही में संपन्न राष्ट्रमंडल खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीतने के लिए बधाई दी।

कविता ने ज़रीन को इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए बधाई दी और उस पर गर्व महसूस किया।

उन्होंने कहा, यह गर्व का क्षण है क्योंकि तेलंगाना के निजामाबाद जिले की रहने वाली निकहत विश्व मुक्केबाजी चैंपियन के रूप में खड़ी हैं। हमें उनकी उपलब्धियों पर गर्व है और वह युवा एथलीटों के लिए प्रेरणा हैं। मुलाकात के दौरान, बॉक्सर निकहत ने याद किया कि यह पूर्व सांसद (संसद सदस्य) कविता ही थीं, जो निकहत को मुख्यमंत्री कल्वकुंतला चंद्रशेखर राव के पास ले गईं और 2014 में उनके प्रशिक्षण के लिए 50 लाख रुपये स्वीकृत कराए।

निकहत ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस वर्ष विश्व चैंपियनशिप जीतने के बाद 2 करोड़ रुपये की अतिरिक्त मंजूरी दी थी और आवासीय भूखंडों के आवंटन में मदद की थी।

26 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने उत्तरी आयरलैंड के कार्ली मैकनौल को 5-0 से हराया और स्वर्ण पदक जीता। निकहत ने मई 2022 में तुर्की में महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप जीती और यह खिताब जीतने वाली वह केवल पांचवीं भारतीय महिला बनीं। निकहत ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में फ्लाईवेट डिवीजन में थाईलैंड की जितपोंग जुतामास को 5-0 से हराया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिनी श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड की टीम घोषित, मैट हेनरी की वापसी

वेलिंगटन। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड ने अपने टीम की घोषणा कर दी है। टीम में मैट हेनरी की वापसी हुई है। हेनरी का शामिल होना 15 सदस्यीय टीम में एकमात्र बदलाव है जिसने इस सप्ताह के शुरू में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में जीत दर्ज की थी।

न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच मंगलवार, 6 सितंबर से केर्न्स में तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला शुरु होगी, जो 11 सितंबर को समाप्त होगी।

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के साथ हमारी बड़ी प्रतिद्वंद्विता है; यह हमेशा प्रशंसकों के लिए एक बड़ा अवसर होता है, और टीम वास्तव में इसके लिए तत्पर रहती है। हम जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया को अपनी परिस्थितियों में हराना कितना मुश्किल है और हम चुनौती का इंतजार कर रहे हैं। मैट का वापस स्वागत करना बहुत अच्छा है। वह पिछले कुछ वर्षों से हमारे अग्रिम पंक्ति के गेंदबाजों में से एक रहे हैं।

न्यूजीलैंड की वनडे टीम इस प्रकार है: केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मार्टिन गप्टिल, मैट हेनरी, टॉम लैथम (विकेटकीपर), डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, बेन सियर्स, टिम साउथी।

थाईलैंड की अदालत ने प्रधानमंत्री को निलंबित किया, आठ साल के कार्यकाल की होगी समीक्षा

बैंकाक। थाइलैंड में एक बार फिर राजनीतिक संकट के आसार नजर आ रहे हैं। थाइलैंड की शीर्ष अदालत ने प्रधानमंत्री प्रयुथ चान-ओचा को निलंबित कर दिया है। अदालत ने प्रधानमंत्री के आठ साल के कार्यकाल की समीक्षा का आदेश भी जारी किया है।थाईलैंड में पिछले बीस सालों में कई बार राजनीतिक संकट की स्थितियां पैदा हो चुकी हैं। बीस वर्षों में थाईलैंड दो बार तख्तापलट भी झेल चुका है। यहां हिंसक विरोध की घटनाएं भी हुई हैं। देश में अगले साल मई तक आम चुनाव होने हैं, इससे पहले ही प्रयुथ के खिलाफ अदालत का यह फैसला आ गया है। पूर्व सेना प्रमुख प्रयुथ ने निर्वाचित सरकार के खिलाफ बगावत करते हुए 2014 में सत्ता संभाली थी। इसके बाद 2019 में तत्कालीन सैन्य सरकार द्वारा तैयार किए गए संविधान के प्रारूप के अनुसार चुनाव हुए थे। थाईलैंड की मुख्य विपक्षी पार्टी ने संवैधानिक अदालत में प्रधानमंत्री के अनिवार्य आठ साल के कार्यकाल की सीमा की समीक्षा के लिए याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि प्रधानमंत्री प्रयुथ को इस माह के अंत अपना पद छोड़ देना चाहिए क्योंकि जुंटा प्रमुख के रूप में उनका कार्यकाल मौजूदा कार्यकाल में जोड़ा जाना चाहिए। अदालत ने यह तो स्पष्ट नहीं किया कि विपक्षी दल की याचिका पर अंतिम फैसला कब सुनाएगी, किन्तु फिलहाल प्रधानमंत्री के निलंबन का आदेश दिया है। साथ ही प्रधानमंत्री के आठ साल के कार्यकाल की समीक्षा की बात भी कही है। माना जा रहा है कि प्रयुथ के स्थान पर उपप्रधानमंत्री प्रवित वोंगसुवान अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाल सकते हैं।

चीन के खिलाफ ताइवान के कड़े तेवर, राष्ट्रपति त्साई इंग वेन ने कहा- दुश्मन को चुकानी होगी भारी कीमत

ताइपे: अमेरिकी हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी द्वारा ताइपे की यात्रा के बाद पिछले एक महीने में ताइवान और चीन के बीच तनाव बढ़ गया है। पेलोसी की यात्रा के बाद चीन द्वारा ताइवान के निकट युद्धभ्यास के बाद ताइवान के तेलरर भी सख्त दिखाई दे रहे हैं। मंगलवार को छह दशक पहले चीन और ताइवान के बीच हुए युद्ध की बरसी पर ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन ने कहा कि ताइवान अपनी रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और हमला करने वालों को भारी कीमत चुकानी होगी। चीन-ताइवान के बीच हुए युद्ध में ताइवान की सेना ने चीनी हमलावरों को हराया था। राष्ट्रपति त्साई इंग वेन ने सैनिकों से मुलाकात की और अगस्त 1958 के अंत में चीनी और ताइवान के बीच हुए युद्ध में सैनिकों की बहादुरी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सैनिकों ने ताइवान की रक्षा की और दुनिया को यह संदेश दिया कि कोई भी खतरा ताइवान के लोगों के दृढ़ संकल्प को हिला नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि दुश्मन को यह समझने देना है कि ताइवान के पास देश की रक्षा करने का दृढ़ संकल्प और तैयारी है के साथ-साथ अपनी रक्षा करने की क्षमता भी है।इंग वेन ने कहा कि ताइवान पर हमला करने या हमला करने का प्रयास करने के लिए भारी कीमत चुकानी होगी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा इसकी कड़ी निंदा की जाएगी।उन्होंने कहा कि हम एकजुटता के साथ मुकाबला करेंगे और दुनिया को संदेश देंगे। इससे पहले राष्ट्रपति ने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के हूवर इंस्टीट्यूशन में पूर्व अमेरिकी अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात की। त्साई ने कहा कि 1958 की लड़ाई ने आज के ताइवान के लिए मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा, '64 साल पहले 23 अगस्त की लड़ाई के दौरान, हमारे सैनिकों और नागरिकों ने एकजुटता दिखाई और ताइवान की रक्षा की। उन्हीं के बदौलत हमारे पास लोकतांत्रिक ताइवान है।'

दुनिया भर में कोविड के नए मामलों में आई कमी, मौतों में भी 15 फीसदी की गिरावट : डब्ल्यूएचओ

लंदन: विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि दुनिया भर में कोरोना वायरस संक्रमण से होने वाली मौतों में पिछले सप्ताह 15 फीसदी की गिरावट आई है जबकि संक्रमण के नये मामले पहले के मुकाबले नौ प्रतिशत कम दर्ज हुए। कोविड-19 महामारी के ताजा साप्ताहिक मूल्यांकन में संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने बताया कि पिछले सप्ताह दुनिया भर में कोरोना वायरस से संक्रमण के 53 लाख मामले आए हैं जबकि संक्रमण से 14,000 लोगों की मौत हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र को छोड़कर दुनिया के सभी क्षेत्रों में कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलों में गिरावट आ रही है। अफ्रीका में कोविड से होने वाली मौतों में 183 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि हुई है जबकि यूरोप में इनमें करीब एक तिहाई (33 फीसदी) और अमेरिका में 15 फीसदी गिरावट दर्ज की गई है। इसके बावजूद, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि कोविड-19 के मामले पूरी तरह से सामने नहीं आ रहे हैं क्योंकि कई देशों ने अपनी जांच में कमी कर दी है ।

इमरान खान की गिरफ्तारी पर एक सितंबर तक रोक

इस्लामाबाद। एक जज को धमकाने के मामले में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को राहत मिल गयी है। इस्लामाबाद स्थित आतंकवादरोधी अदालत ने इमरान खान को अग्रिम जमानत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर एक सितंबर तक रोक लगा दी गयी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान सरकार की तरफ से इमरान खान पर आरोप लगाया गया था कि वे भड़काऊ भाषण देकर देश की जनता को सरकार, अदालत और सेना के खिलाफ भड़काना चाहते हैं। भड़काऊ भाषण के आरोप में उनके ऊपर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। आरोप था कि बीते 20 अगस्त को इस्लामाबाद की एक सभा में उन्होंने पाकिस्तान की एक न्यायाधीश जेबा चौधरी को धमकी दी थी। इसके अलावा कई अधिकारियों और सरकार के खिलाफ आपत्तिजनक बातें करने के आरोप लगाए गए थे। सरकार ने इमरान के भाषण को भड़काऊ माना है। आरोप लगाया गया था कि इसके जरिए इमरान खान देश की जनता को सरकार, न्यायालय और सेना के खिलाफ भड़का कर देश में गृहयुद्ध कराना चाहते थे।

जैसे ही मामले ने तूल पकड़ना शुरू किया, सरकार और पुलिस सक्रिय हो गई।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेटरी अथॉरिटी ने इमरान के भाषण के लाइव प्रसारण पर रोक लगा दी। उनके भाषणों को लाइव न प्रसारित करने का आदेश जारी किया गया।

पुलिस ने इस मामले में इमरान खान पर आतंकवाद निरोधी कानून की धारा सात के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। इमरान की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उनके घर बनीगाला भी पहुंची थी लेकिन लोगों की भारी भीड़ देखते हुए उसे लौटना पड़ा। इमरान के समर्थकों ने चेतावनी दी है कि अगर इमरान को गिरफ्तार किया जाएगा तो देशभर में बवाल हो जाएगा। इस्लामाबाद पर कब्जा हो जाएगा।

गिरफ्तारी से बचने के लिए इमरान खान ने इस्लामाबाद हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, जिस पर बीती 22 अगस्त को उन्हें तीन दिन के लिए जमानत मंजूर कर दी गयी। जमानत के तीन दिन बीतने पर इमरान 25 अगस्त को इस्लामाबाद स्थित आतंकवादरोधी अदालत में पेश हुए। अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार कर ली। इसके साथ ही एक सितंबर तक इमरान की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी गयी है।

सीरिया में रॉकेट हमलों में तीन अमेरिकी सैनिक घायल, अमेरिका ने भी किया पलटवार

कुआलालंपुर। सीरिया में दो रॉकेट हमलों में तीन अमेरिकी सैनिकों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने एक बयान जारी करते हुए कहा है कि सीरिया में दो रॉकेट हमलों में तीन अमेरिकी सैनिक घायल हो गए जिसके बाद अमेरिका ने भी हेलीकॉप्टरों से हमले का जवाब दिया। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि घायल तीनों सैनिकों में से एक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है जबकि दो का इलाज जारी है।

ईरान समर्थित आतंकवादियों ने किया हमला

यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा कि ईरान समर्थित आतंकवादियों ने बुधवार शाम को उत्तर-पूर्व सीरिया में कोनोको और ग्रीन विलेज दोनों में अमेरिकी सैनिकों के आवास वाले दो अमेरिकी सुविधाओं पर कई रॉकेट दागे।

हालांकि, अमेरिकी बलों ने हमले के हेलीकॉप्टरों का उपयोग करके उन्हें करारा जवाब दिया और रॉकेट लॉन्च करने के लिए इस्तेमाल किए गए तीन वाहनों और उपकरणों को नष्ट कर दिया। वहीं स्पुतनिक ने सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि शुरुआती आकलन से संकेत मिलता है कि अमेरिकी सेना ने दो या तीन संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया।

स्वतंत्रता दिवस पर यूक्रेन को अमेरिका से मिली तीन अरब डॉलर की मदद

वाशिंगटन/कीव। रूस के खिलाफ युद्ध की विभीषिका झेल रहे यूक्रेन ने अपना स्वतंत्रता दिवस मनाया। स्वतंत्रता दिवस पर यूक्रेन को अमेरिका से तीन अरब डॉलर की मदद का तोहफा मिला है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सैन्य सहायता पैकेज के रूप में इस मदद की घोषणा की है।

पिछले छह महीने से रूस के हमले का सामना कर रहे यूक्रेन ने बुधवार को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन के लिए तीन अरब डॉलर के सैन्य सहायता पैकेज का तोहफा देने का ऐलान किया। पिछले छह महीने के युद्ध काल में यह पैकेज यूक्रेन के लिए सबसे बड़ा सहायता पैकेज है। इससे कुछ दिन पहले अमेरिका ने यूक्रेन को एक अरब डॉलर की सैन्य सहायता देने की घोषणा की थी। अब नयी सैन्य सहायता राशि से यूक्रेन अमेरिकी स्टॉक से हथियार लेने के स्थान पर सीधे हथियारों के सौदागरों से अपनी जरूरत के अनुरूप हथियार खरीद सकेगा। माना जा रहा है कि अमेरिका की ओर से यूक्रेन के सशस्त्र बलों को रॉकेटए गोला बारूद और हथियारों की सबसे बड़ी आपूर्ति का रास्ता भी साफ हो गया है। इसमें हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट प्रणाली, तोप के गोले, मोर्टार प्रणाली आदि हथियार शामिल हैं।

ताशकंद में गूंजा 'जय हो', राजनाथ ने आतंकवाद पर जताई चिंता

भारतीय सेना के बैंड ने 'जय हो' की धुन बजाई, शान से लहराता रहा तिरंगा

ताशकंद। उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में हो रही शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान भारतीय राष्ट्रध्वज को लहराते हुए 'जय हो' की गूंज सुनाई दी। बैठक में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुनिया भर में बढ़ते आतंकवाद पर चिंता जताते हुए इसे वैश्विक शांति के लिए खतरा करार दिया।

शंघाई सहयोग संगठन के राष्ट्राध्यक्षों का शिखर सम्मेलन अगले माह 15 व 16 सितंबर को उज्बेकिस्तान के समरकंद में प्रस्तावित है। इस शिखर सम्मेलन में भारत, रूस, चीन, पाकिस्तान, कजाखस्तान, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और किर्गिजस्तान के राष्ट्राध्यक्ष हिस्सा लेंगे। उससे पहले ताशकंद में इन देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक हो रही है।

बैठक को संबोधित करते हुए भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि एससीओ के सभी सदस्य देशों को मिलकर आतंकवाद का सामना करना चाहिए। उन्होंने यूक्रेन की स्थिति पर भारत की चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यूक्रेन की स्थिति को बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। अफगानिस्तान की चर्चा करते हुए राजनाथ ने कहा कि भारत एक शांत, सुरक्षित और स्थायित्व वाले अफगानिस्तान की परिकल्पना करता है। उन्होंने बातचीत के जरिये राष्ट्रीय स्तर पर शांति स्थापना पर जोर दिया और कहा कि अफगानिस्तान की जमीन का प्रयोग आतंकवाद के लिए नहीं होने दिया जाना चाहिए।

इससे पहले भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अन्य सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों से मुलाकात की। राजनाथ सिंह ने अपने उज्बेक समकक्ष लेफ्टिनेंट जनरल बखोदिर कुर्बानोव के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसके अलावा उन्होंने कजाकिस्तान और बेलारूस के समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। बैठकों के दौरान तीनों देशों के साथ रक्षा सहयोग की समीक्षा की गई और आपसी हित के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। बैठक के दौरान भारतीय सेना के बैंड ने 'जय हो' की धुन बजाई और इस दौरान वह भारतीय राष्ट्र ध्वज तिरंगा शान से लहराता रहा।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री आबे के अंतिम संस्कार में हो सकते हैं शामिल मोदी

टोक्यो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 27 सितंबर को टोक्यो में जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने जा सकते हैं। समाचार एजेंसी की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी अपनी इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा से भी मुलाकात करेंगे। उल्लेखनीय है कि 8 जुलाई को जापान में एक चुनावी रैली के दौरान आबे (67) को 41 वर्षीय तेत्सुया यामागी ने गोली मार दी थी। बाद में शिंजो आबे की अस्पताल में मौत हो गई। शिंजो का अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जापान जा सकते हैं। हालांकि, अभी प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा पर नई दिल्ली या टोक्यो से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

खबर के अनुसार, जापान और भारत 8 सितंबर को टोक्यो में अपने विदेश और रक्षा मंत्रियों की टू-प्लस-टू सुरक्षा वार्ता का दूसरा दौर आयोजित करने की भी योजना बना रहे हैं। मोदी ने पिछली बार मई में जापान का दौरा किया था, जब वह क्वाड समूह के शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले महीने आबे की हत्या पर गहरा शोक जताते हुए कहा था कि उन्होंने (आबे ने) अपना पूरा जीवन जापान और दुनिया को एक बेहतर स्थान बनाने में समर्पित कर दिया। मोदी ने एक ट्वीट में कहा था कि मेरे प्रिय मित्रों में शुमार शिंजो आबे के दुखद निधन से मैं हैरान और दुखी हूं और इसे व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।

बारिश और बाढ़ से सैकड़ों की मौत, पाकिस्तान ने मांगी दुनिया से मदद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में लगातार बारिश और भीषण बाढ़ के कारण जगह-जगह तबाही के मंजर आम हो गए हैं। भीषण आपदा के कारण सैकड़ों लोगों की मौत होने के बाद अब पाकिस्तानी सरकार ने दुनिया के सामने मदद के लिए झोली फैलाई है। पाकिस्तान के सिंध, बलूचिस्तान और पंजाब प्रांतों में तेज बारिश और बाढ़ से जानलेवा संकट आ खड़ा हुआ है। खैबरपख्तूनख्वा प्रांत में भी बाढ़ धीरे-धीरे मुसीबत बनती जा रही है। सरकार ने भी स्वीकार किया है कि इस आपदा के कारण अब तक नौ सौ से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा खेती और पशुओं को भी भारी नुकसान हुआ है।

पाकिस्तान की जलवायु परिवर्तन मामलों की मंत्री शेरी रहमान ने कहा है कि अत्यधिक बारिश के कारण ऐसी तबाही आई है, जैसी युगों में कभी एक बार देखने को मिलती है। देश के अलग-अलग हिस्सों में असामान्य रूप से जोरदार बारिश का सिलसिला बीते एक महीने से चल रहा है, लेकिन पिछले तीन दिन में हालात बहुत बिगड़ गए हैं। सिर्फ बलूचिस्तान प्रांत में 710 किलोमीटर सड़क और 18 पुल पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। लगभग 20 हजार घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इस प्रांत में दो सौ से अधिक लोगों और पांच लाख से अधिक पशुओं की जान जाने की भी खबर है। अन्य प्रांतों से भी ऐसी खबरें मिली हैं। शेरी रहमान ने कहा कि राज्यों की बात तो दूर, पाकिस्तान की संघीय सरकार भी इस जलवायु विनाश के परिणामों का अकेले मुकाबला कर सकने की स्थिति में नहीं है। हजारों लोग बेघर हो गए हैं और सैकड़ों लोगों की जान खतरे में हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तुरंत मदद देने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जलवायु परिवर्तन के दक्षिण एशिया में हो रहे विनाशकारी असर से प्रभावित हुआ है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उसकी मदद के लिए आगे आना चाहिए। इसके लिए सरकार ने एक अलग बैंक खाता भी खोला है, इसमें विदेशों में रहने वाले लोग अनुदान भेज सकते हैं। पाकिस्तान सरकार ने देश-विदेश की संस्थाओं से टेंट, मच्छरदानी, बिस्तर, खाद्य पदार्थ, दवाएं और अन्य जरूरी सामान की मदद देने की अपील की है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

पाकिस्तान: इमरान खान की गिरफ्तारी पर एक सितंबर तक रोक

इस्लामाबाद। एक जज को धमकाने के मामले में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को राहत मिल गयी है। इस्लामाबाद स्थित आतंकवादरोधी अदालत ने इमरान खान को अग्रिम जमानत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर एक सितंबर तक रोक लगा दी गयी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान सरकार की तरफ से इमरान खान पर आरोप लगाया गया था कि वे भड़काऊ भाषण देकर देश की जनता को सरकार, अदालत और सेना के खिलाफ भड़काना चाहते हैं। भड़काऊ भाषण के आरोप में उनके ऊपर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी।

नैंसी पेलोसी के पति को शराब पीकर गाड़ी चलाने में मिली पांच दिन जेल की सजा

वाशिंगटन। चीन के जोरदार विरोध के बावजूद ताइवान की यात्रा करके चर्चा में आईं अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी के पति पॉल पेलोसी को शराब के नशे में गाड़ी चलाने के आरोप में दोषी पाया गया है। उन्हें इसके लिए पांच दिन जेल की सजा मिली है। पॉल पेलोसी 28 मई को अपने पुराने दोस्त से मिलने के लिए घर से निकले थे, तभी शराब पीकर गाड़ी चलाते पकड़े गए थे। 82 वर्षीय पॉल पेलोसी ने अदालत के सामने स्वीकार किया कि उन्होंने उस दिन शराब पीकर गाड़ी चलाई थी, जिसकी वजह से कैलिफ़ॉर्निया के ओकविले में उनकी काले रंग की पॉर्शे गाड़ी एक खड़ी जीप में टकरा गयी थी, जिसमें दोनों गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गयी थीं। पॉल पेलोसी को इस मामले में गंभीर आरोपों से तो मुक्त कर दिया गया, किन्तु शराब के नशे में गाड़ी चलाने के आरोप में दोषी पाए जाने पर पांच दिन की जेल की सज़ा सुनाई गई है। पांच दिन जेल की सजा के बावजूद पॉल पेलोसी को जेल में नहीं रहना पड़ेगा। दरअसल शराब पीकर गाड़ी चलाने वाली रात यानी 28 मई 2022 को उन्हें हिरासत में ले लिया गया था और वह रात उन्हें जेल में बितानी पड़ी थी।

अदालत ने जेल में रात बिताने को दो दिन कैद के रूप में माना। इसके अलावा उनके अच्छे व्यवहार को देखते हुए दो दिन की सजा माफ कर दी गई है। उनके पांचवें दिन की सजा के तौर पर उन्हें आठ घंटे की समाज सेवा करनी होगी।

नौसैन्य सहयोग भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के सबसे अहम घटकों में से एक है : राजदूत संधू

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि भारत और अमेरिका की नौसेनाओं के बीच सहयोग दोनों देशों के द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के सबसे बहुआयामी एवं अहम घटकों में से एक हैं। आईएनएस सतपुड़ा के पिछले सप्ताह सैन डिएगो पहुंचने के मौके पर संधू ने यह बयान दिया। आईएनएस सतपुड़ा को भारत में ही डिजाइन और निर्मित किया गया है। छह हजार टन वाला यह स्वदेशी बहु उद्देश्यीय मिसाइल स्टील्थ फ्रिगेट है जो हवा, सतह और पानी के नीचे दुश्मनों को तलाशने और नष्ट करने की क्षमता रखता है। यह पहली बार है कि जब भारतीय नौसेना के किसी युद्धपोत को 'यूएस वेस्ट कोस्ट' पर खड़ा किया गया है।

यह भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रक्षा संबंधों को दर्शाता है। संधू ने सैन डिएगो में पिछले सप्ताह कहा, ''नौसेनाओं के बीच आपसी सहयोग हमारी रक्षा साझेदारी के सबसे बहुआयामी और अहम घटकों में से एक है। यह हिंद-प्रशांत के संदर्भ में और मजबूत हो रहा है।'' आईएनएस सतपुड़ा पर मौजूद संधू ने कहा, ''अमेरिकी नौसेना, विशेष रूप से वार्षिक मालाबार अभ्यास और मिलन 22 एवं हाल में संपन्न रिमपैक 22 (जिसमें मुझे भाग लेने का अवसर मिला) जैसे बहुराष्ट्रीय कार्यक्रमों के साथ संबंधों का बढ़ता दायरा हमारे विश्वास और महासागर में सहयोग को मजबूत करता है।'' इस कार्यक्रम में नौसेना विभाग के प्रमुख कार्लोस डेल टोरो और नौसैन्य विमानन सेना के कमांडर वाइस एडमिरल केनेथ रे व्हिटसेल भी शामिल हुए। संधू ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के विविध क्षेत्रों में रक्षा क्षेत्र एक प्रमुख स्तंभ के रूप में उभरा है।

अमेरिका ने भारत को ''सबसे बड़े रक्षा साझेदार'' के रूप में मान्यता दी है। संधू ने कहा, ''हमारा रक्षा व्यापार 21 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। भारत आज किसी भी अन्य देश की तुलना में अमेरिका के साथ अधिक सैन्य अभ्यास करता है।